हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, गुरूवार | 03 अक्टूबर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 141 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

रिवाल्वर कांड के बाद गोविंदा की तबीयत को लेकर आया अपडेट, पुलिस ने रिकॉर्ड किया बेटी का बयान

एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के साथ मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ था जब उनके पैर में गोली लग गई थी। एक्टर के पैर में गलती से उनकी ही रिवाल्वर से गोली लगी थी इसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उनके पैर से गोली निकाल दी गई है। गोविंद अभय अस्पताल में भर्ती है और आईसीयू में है। हालांकि उनकी हालत अब पहले से काफी बेहतर है। गोविंदा के मैनेजर के मुताबिक मुंबई पुलिस ने गोविंदा की बेटी टीना से मुलाकात कर उसका बयान दर्ज किया है। हालांकि अभी गोविंदा का बयान दर्ज नहीं हो सका है। गोविंदा की सेहत में सुधार होने के बाद ही उनका बयान दर्ज होगा। एक अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दया नायक की अगुवाई में अपराध शाखा के एक दल ने मंगलवार को अस्पताल का दौरा किया और अभिनेता से घटना के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि गोविंदा घटना के वक्त मंगलवार तड़के अपने आवास पर अकेले थे। उन्होंने बताया कि अभिनेता के पास वेबले कंपनी की लाइसेंसी रिवॉल्वर है।

मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में : 83300 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी,

प्रधानमंत्री बोले - आदिवासियों के विकास से ही देश मजबूत होगा

पीएम मोदी ने कहा कि इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है।

एजेंसी

झारखंडः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में 83,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि आज मुझे एक बार फिर झारखंड की विकास यात्रा में सहभागी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। कुछ ही दिन पहले मैं जमशेदपुर आया था। जमशेदपुर से मैंने झारखंड के लिए सैकड़ों करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। आज पूज्य बापू की जन्म जयंती है। आदिवासी विकास के लिए उनका विजन, उनके विचार हमारी पूंजी है। गांधी जी का मानना था कि भारत का विकास तभी हो सकता है, जब जनजातीय समाज का तेज विकास हो। मुझे संतोष है कि आज हमारी सरकार आदिवासी उत्थान पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत अपना पक्का घर मिला था। और अब कुछ ही दिनों के भीतर आज झारखंड में 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये योजनाएं आदिवासी समाज के

कल्याण और उत्थान से जुड़ी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के दिन यहां झारखंड से ही पीएम-जनमन योजना भी लॉन्च हुई थी। अगले महीने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर हम पीएम-जनमन योजना की पहली वर्षगांठ मनाएंगे। इस योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है, जो सबसे पीछे छूट गए थे। आज यहां पीएम-जनमन योजना के तहत भी करीब साढ़े 1,300 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है। अभी मैंने यहां धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस योजना पर करीब 80 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत करीब 550 जिलों में 65,000 आदिवासी बहुल गांवों का विकास करने का अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह बताना चाहिए कि राज्य की बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये की राशि क्यों नहीं जारी की जा रही है। जयराम रमेश ने पोस्ट करते हुए पूछा कि आज जब प्रधानमंत्री झारखंड में हैं तब उन्हें इन सवालों के जवाब जरूर देने चाहिए। वह झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ क्यों नहीं जारी कर रहे हैं? प्रधानमंत्री झारखंड के 8 लाख लोगों को घर देने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं? वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था? पीएम मोदी ने कहा कि इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है।

जयपुर समेत देश के कई रेलवे स्टेशनों को 30 अक्टूबर को बम से उड़ाने की धमकी,

एजेंसी

राजस्थानः और मध्य प्रदेश के कई रेलवे स्टेशनों और धार्मिक स्थलों पर बम विस्फोट की धमकी वाला एक पत्र हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर मिला है। पुलिस ने रेलवे स्टेशनों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पत्र जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन के नाम से लिखा गया था और 30 अक्टूबर को गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, बूंदी, उदयपुर और जयपुर में प्रमुख स्थानों और रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। हनुमानगढ़ जंक्शन के अधीक्षक को मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर हमला करने की धमकी भरा पत्र मिला। सुरक्षा एजेंसियां ??अलर्ट पर हैं और जांच शुरू हो गई है। हनुमानगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्यारे लाल मीणा ने बताया कि पत्र हनुमानगढ़ स्टेशन मास्टर को डाक द्वारा भेजा गया था और स्थानीय पुलिस को बम की धमकी के बारे में मंगलवार शाम को सूचित किया गया था। जैश-ए-मोहम्मद के नाम से आए इस पत्र में धमकी दी गई थी कि 30 अक्टूबर को गंगानगर, हनुमानगढ़,

2 नवंबर को महाकाल मंदिर पर अटैक, जैश-ए-मोहम्मद के नाम से लेटर जारी

जोधपुर, बीकानेर, कोटा, बूंदी, उदयपुर, जयपुर के रेलवे स्टेशन और जगहों को बम से उड़ा दिया जाएगा। जैश-ए-मोहम्मद एक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन है, जो 2019 में जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ के काफिले पर बम विस्फोट हमले के पीछे भी था। आतंकवादी हमले में लगभग 50 सीआरपीएफ अधिकारी मारे गए और कई घायल हो गए। 19 फरवरी, 2019 को पुलवामा के लेथपोरा में एक जैश के आत्मघाती हमलावर ने अपनी विस्फोटक से भरी कार को सीआरपीएफ के काफिले में घुसा दिया था।

पान और गुटखा खाकर रोड पर थूकने वालों की अखबार में छापनी चाहिए फोटो

एजेंसी

नई दिल्लीः केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पान मसाला, गुटखा खाने और सड़क पर थूकने वालों से निपटने के लिए एक अनोखा आइडिया दिया। गडकरी ने कहा कि पान, मसाला और गुटखा खाकर सड़क पर थूकने वालों की फोटो खींचकर अखबार में छपवाई जाए। गडकरी गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत को लेकर नागपुर नगर निगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसके अलावा, गडकरी ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोग बहुत होशियार हैं,

चॉकलेट खाते हैं और उसके रैपर सड़कों पर फेंक देते हैं और वही व्यक्ति जब विदेश जाता है तो चॉकलेट का रैपर अपनी जेब में रखता है, विदेश में अच्छा व्यवहार करता है और यहां सड़क पर फेंक देता है। गडकरी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि वह आजकल जब भी चॉकलेट खाते हैं तो घर पहुंचने के बाद चॉकलेट का रैपर फेंक देते हैं. पहले उसे शराब पीने के बाद उसका रैपर बाहर फेंकने की भी आदत थी। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गांधी जयंती को स्वच्छ भारत के प्रतीक दिवस के रूप में समर्पित किया है। हर साल, सरकार और अन्य राज्य संस्थान इसके आसपास स्वच्छता अभियान (स्वच्छता अभियान) या कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पीएम मोदी आज पंडारा पार्क के एक स्कूल पहुंचे और झाड़ू लगाकर इलाके में सफाई की। देशभर में ऐसे कई आयोजन किये गये।

अजित पवार ने मुंबई में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की

एजेंसी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह से यहां मुलाकात की ह्यालांकि, बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। यह बैठक अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ ह्यमहायुतिह्न गठबंधन में मौजूदगी और उनकी पार्टी द्वारा कुछ भाजपा नेताओं के मुस्लिम विरोधी प्रचार का विरोध करने को लेकर उपजे मतभेद की

पृष्ठभूमि में हुई है मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता भी राकांपा को लेकर नुक्ताचीनी करते रहे हैं। महायुति के तीनों सहयोगी दलों ने 228 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया है।

महिलाओं का समर्थन मिला तो ह्यलाडकी बहिनह्न योजना में सहायता राशि 3,000 रु कर दी जाएगी: शिंदे

एजेंसी

महाराष्ट्रःमहाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि अगर राज्य की महिलाओं का उनकी सरकार को समर्थन मिला तो ह्यलाडकी बहिनह्न योजना के तहत आर्थिक सहायता राशि बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दी जाएगी। शिंदे ने इस बात पर हैरानी जताई कि आखिर विपक्षी दल उनकी सरकार की कल्याणकारी पहलों को लेकर ईर्ष्या क्यों करते हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का ह्यमहायुतिह्न गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी करेगा।

उन्होंने मंगलवार को कोल्हापुर के कन्हेरी मठ में धर्म ध्वज के उद्घाटन के अवसर पर संतों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई महायुति गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजना ह्यमुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत 21 से 65 वर्ष की विवाहित, विधवा और बेसहारा महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जा रहे हैं।

हरियाणा में ब्राह्मण समाज का समर्थन मिलने से बड़ी भाजपा की ताकत, क्या अब हैट्रिक लगा पाएगा भगवा दल?

एजेंसी

हरियाणाःहरियाणा में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर प्रभासाक्षी की टीम पूरे राज्य का दौरा कर रही है। भ्रमण के दौरान हमारे एडिटर नीरज कुमार दुबे ने पानीपत शहरी विधानसभा सीट पर ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश कुमार गौतम से बात की। इस दौरान ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में समाज के कुल 12 लोगों को टिकट देकर ब्राह्मण समाज का मान सम्मान बढ़ाया है और बीजेपी की ही लहर पूरे हरियाणा राज्य में बनी हुई है।

उन्होंने दावा किया कि पानीपत में भाजपा की सरकार ने विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं भी चलाई हैं। समाज के अन्य लोगों ने भी भरोसा जताया कि हरियाणा में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है, क्योंकि समाज के सभी वर्गों ने सीएम सैनी के नेतृत्व में सरकार बनाने का संकल्प ले लिया है। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ने दावा किया कि अगर बीजेपी एक साल पहले नायब सैनी को मुख्यमंत्री बना देती, तो इस समय पार्टी और भी अधिक मजबूत स्थिति में होती। साथ ही उन्होंने राज्य में ब्राह्मण समाज का प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी आला कमान को धन्यवाद दिया ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष ने बताया कि बीजेपी ने चुनाव में समाज के कुल 12 लोगों को टिकट देकर ब्राह्मण समाज का मान सम्मान बढ़ाया है और बीजेपी की ही लहर पूरे हरियाणा राज्य में बनी हुई है।

पानीपत में युवाओं के लिए बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा, इस बार सरकार बदलने की दिख रही हर मन में चाहत

एजेंसी

दिल्ली अगली महीने अक्तूबर में हरियाणा में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर प्रभासाक्षी की टीम राज्य में पहुंचकर चुनावी माहौल को समझने की कोशिश कर रही है। इस दौरान हमारे एडिटर नीरज कुमार दुबे ने पानीपत शहरी विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय मतदाताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बात की। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के युवा समर्थकों ने बताया कि 2024 के चुनाव में निश्चित रूप से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, क्योंकि बीजेपी की सरकार से युवा

परेशान हो चुका है राज्य में निकल रही भर्तियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और घोटाले के मामले भी सामने आ रहे हैं। मतदाताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी की सरकार युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के बिना पर्चा और बिना खर्चा के दावे झूठे हैं क्योंकि भाजपा शासन के द्वारा राज्य में भर्तियां निकली ही नहीं हैं। इसी कारण से क्षेत्र के अधिकांश युवा पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। इसके साथ ही बेरोजगार युवाओं ने कहा कि इस चुनाव में उनके लिए सबसे बड़ा मुद्दा रोजी-रोटी कमाने का है और इसी को लेकर वे मतदान भी करेंगे। प्रचार में मौजूद अन्य मतदाताओं ने भी बताया कि इस चुनाव में सरकार को किसान और पहलवानों के साथ नाइंसाफी करने का परिणाम निश्चित रूप से भुगतना पड़ेगा।

पश्चिम बंगाल सहयोग करे तो

रेलवे की तरफ से राज्य में 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में निवेश संभव : वैष्णव

एजेंसी

कोलकाता। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश का अवसर है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे को भूमि सौंपने से संबंधित मुद्दों के कारण राज्य में वर्तमान में 61 परियोजनाएं लंबित हैं। मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को राजनीति से ऊपर उठने की आवश्यकता है। सियालदह स्टेशन पर रेलवे की कई परियोजनाओं और ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद वैष्णव ने कहा, ह्यपश्चिम बंगाल में रेलवे द्वारा 60,000 करोड़ रुपये के निवेश का अवसर मौजूद है। उन्होंने कहा कि इस तरह के निवेश तभी संभव होंगे जब राज्य सरकार सहयोग करेगी। वैष्णव ने कहा कि 26 किलोमीटर की मेट्रो रेल परियोजनाएं ऐसी हैं, जहां भूमि संबंधी मुद्दों के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ह्यब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेडह्न में आयोजित स्वच्छ भारत कार्यक्रम के बाद वहां पत्रकारों से बात करते हुए वैष्णव ने जनता के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। रेल मंत्री ने कहा, ह्यविकास समय की मांग है। रेलवे परियोजनाओं को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। अगर राज्य सरकार हमारा समर्थन करे, तो लोगों की भलाई के लिए इन 61 लंबित परियोजनाओं में तेजी लाई जा सकती है। अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश का अवसर है।

महात्मा गांधी ने किया है कई विश्व नेताओं को प्रेरित, Nelson Mandela से Obama तक हैं शामिल

एजेंसी

नई दिल्लीःभारत हर साल 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती को गांधी जयंती के रूप में मनाता है। व्यापक रूप से राष्ट्रपिता के रूप में सम्मानित, उन्होंने अगस्त 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता दिलाने में मदद की। प्यार से बापू कहे जाने वाले गांधी का जन्म 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। अहिंसा के उनके सिद्धांत ने दुनिया भर के कई नेताओं को प्रेरित किया है। आज भी महात्मा भारत और दुनिया भर में एक प्रिय व्यक्ति बने हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व नेताओं को किस प्रकार प्रभावित किया है।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर

अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर गांधी की अहिंसा की शिक्षा से प्रेरित थे। उनके लेखन के अनुसार, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उनके लिए एक ह्यमार्गदर्शक प्रकाशह्न थे। रिपोर्टों के अनुसार, किंग को पहली बार गांधी के अहिंसा के विचार का पता तब चला जब वे ईसाई पादरी बनने के लिए अध्ययन कर रहे थे। ह्यगांधीवादी अहिंसा पद्धतिह्न को पहचानते हुए,

किंग ने समझा कि अहिंसा ह्यस्वतंत्रता के संघर्षह्न में एक शक्तिशाली हथियार हो सकती है। वे गांधी के सत्याग्रह (सत्य बल) के अहिंसक असहयोग दर्शन से पहले से ही अवगत थे। 1955-1956 में मोंटगोमरी बस बहिष्कार में, किंग और अन्य लोगों ने अफ्रीकी अमेरिकियों के अलगाव के कारण अलबामा के मोंटगोमरी में बसों का बहिष्कार किया। सुप्रीम कोर्ट ने अंततः 1956 में अलगाव को असंवैधानिक करार दिया। न्यूयॉर्क शहर में फैसले के बाद एक भीड़ को संबोधित करते हुए, किंग ने कथित तौर पर कहा, "ईसा मसीह ने हमें रास्ता दिखाया, और भारत में गांधी ने दिखाया कि यह काम कर सकता है।" हालांकि दोनों की कभी मुलाकात नहीं हुई, लेकिन किंग ने 1959 में भारत में अपने महीनों के लंबे प्रवास के दौरान गांधी के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त की। उस समय एक रेडियो संबोधन में, अमेरिकी नेता ने कहा था, "गांधी की भावना आज कुछ लोगों की धारणा से कहीं अधिक मजबूत है"। 2009 में, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने किंग पर गांधी के प्रभाव को मान्यता देते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें कहा गया है, "भारत की यात्रा ने डॉ. किंग को गहराई से प्रभावित किया, और नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान अपने शेष कार्य के दौरान अमेरिका में अलगाव और नस्लीय भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में अहिंसा का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रेरित किया।

नेल्सन मंडेला

दक्षिण अफ्रीकी क्रांतिकारी नेल्सन मंडेला ने भी गांधी के अहिंसा के विचार से प्रेरणा ली। अपने देश में रंगभेद के खिलाफ खड़े होने वाले पूर्व राष्ट्रपति को "दक्षिण अफ्रीका के गांधी" के रूप में जाना जाता है। दक्षिण अफ्रीका में 21 साल बिताने वाले गांधी ने मंडेला के जन्म से चार साल पहले यानी 1914 में देश छोड़ दिया था।

जन सुराज अभियान राजनीतिक दल में परिवर्तित, दल के कार्यकारी अध्यक्ष बने मनोज भारती, प्रशांत किशोर पहले की तरह ही बिहार की पदयात्रा करते रहेंगे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना। आज 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर जन सुराज आधिकारिक तौर पर दल में परिवर्तित हो गया है। पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में लाखों की संख्या में बिहार के कोने-कोने से आए लोगों की सहमति से जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने दल के पहले कार्यवाहक अध्यक्ष के साथ साथ दल के संविधान के पांच प्रमुख प्रावधानों को बिहार और देश की जनता के समक्ष रखा।
प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में सबसे पहले जनता को जन सुराज के पांच बड़े वादों को जनता के सामने रखा। पहला बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि बनाना। बिहार के गौरवशाली इतिहास में पूरे विश्व से लोग नालंदा और विक्रमशिला में ज्ञान प्राप्ति के लिए आते थे। उस बिहार में उसके बच्चों के लिए फिर से ऐसी व्यवस्था बनाना। दूसरा हर युवा के हाथ में बिहार में ही रोजगार ताकि बिहार से पलायन को बंद कर सके। तीसरा हर 60 वर्ष की आयु से ऊपर हर महिला-पुरुष को प्रतिमाह 2 हजार रुपए की पेंशन। इसी के साथ महिलाओं को सरकारी गारंटी पर व्यवसाय के लिए 4 प्रतिशत सालाना ब्याज पर पूंजी उपलब्ध कराना और पांचवा वादा कि बिहार के किसानों को सहयोग करके बिहार में हो रही पेट भरने वाली खेती से कमाने वाली बनाना। प्रशांत किशोर ने आज बिहार को यह सुनिश्चित कराया की जन सुराज आएगा और यह 5 काम हो जाएंगे। सर्वसम्मति से हुआ जन सुराज पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती का चयन
प्रशांत किशोर ने दल की घोषणा करने के बाद इसके पहले कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व भारतीय राजनयिक मनोज भारती के नाम को औपचारिक तौर पर लोगों के बीच रखा। प्रशांत ने मनोज भारती का परिचय देते हुए बताया कि इनका जन्म मधुबनी में हुआ है और ये अनुसूचित जाति से आते हैं। मनोज की शुरुआती शिक्षा जमुई के सरकारी विद्यालय से हुई और उसके बाद उन्होंने नेतरहाट से पढ़ाई की। उन्होंने कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की। फिर IIT दिल्ली में पढ़ाई करते हुए उनका चयन भारतीय विदेश सेवा में हुआ। वे चार देशों में देश के राजदूत रहे हैं। प्रशांत किशोर ने जन सुराज दल के संविधान के प्रमुख प्रावधानों को भी जनता के सामने रखा और उनकी इन सभी पर सहमति भी ली। सबसे पहले उन्होंने बताया की जन सुराज के अध्यक्ष का कार्यकाल 1 साल का होगा और लीडरशिप काउंसिल का 2 साल। दूसरा उन्होंने बताया की जन सुराज देश का पहला दल होगा जो 'राइट टू रिकॉल' लागू करेगा। जनता ही अपना उम्मीदवार का चयन करेगी और उनको मध्य कार्यकाल में ही हटाने का अधिकार भी जनता के पास होगा। इसी के साथ में उन्होंने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए ऐलान किया कि जन सुराज ने चुनाव आयोग को अपने आधिकारिक झंडे के लिए आवेदन किया है उसमे महात्मा गांधी के साथ-साथ बाबा साहेब अंबेडकर का भी चित्र होगा। जन सुराज से जुड़े साथियों और प्रशांत किशोर ने जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरा करने का प्रयास करूँगा और बिहार को बेहतर बनाएंगे: मनोज भारती जन सुराज के नव नयनित कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आप बिहार से बिहारी को दूर कर सकते है पर उनके दिल से बिहारी मानसिकता को नहीं निकाल सकते है। उन्होंने उत्तर बिहार में आए बाढ़ पर चिंता व्यक्त की और कहा कि जन सुराज यह सुनिश्चित करेगा कि जो नदियाँ बिहार के लिए अभिशाप बन गई हैं, उन्हें जन सुराज वरदान बना सके। अपने राजनैतिक जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब वह किसी विदेशी नेता या राजनयिक को तोहफा देते थे तो वह मधुबनी की चित्रकला, भागलपुर का सिल्क, आदि होता था। साथ ही उन्होंने अपने नेतरहाट के दिनों को याद करते हुए अपने अनुभवों को भी साझा किया। जन सुराज को उन्होंने एक ऐसी पार्टी बताया जो गहन अध्ययन करने के बाद ठोस निर्णय लेती है। प्रशांत किशोर और मनोज भारती के साथ-साथ नालंदा विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी केसी सिन्हा, वरिष्ठ अधिवक्ता वाई वी गिरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र यादव, पूर्व सांसद मोनाजिर हसन, रामबली चंद्रवंशी ने भी जनता को संबोधित किया।

सारण के बाढ ग्रसित क्षेत्र को मिले मुआवजा - धर्मेंद्र कुमार सिंह समाजसेवी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बाढ़ ग्रसित मुआवजा से संबंधित मुलाकात करते धर्मेंद्र सिंह

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सारण जिला के में गंगा नदी के जलस्तर बढ़ जाने के कारण सारण के सैकड़ो से ज्यादा गांव बाढ़ में डूब जाने के कारण ग्रामीणों को हजारों लाखों की छती हुई है गंगा के जलस्तर अकस्मात बढ़ने से ग्राम वासियों को अपने फसल, अनाज, जाल - माल को सुरक्षित करने में समय पर्याप्त नहीं मिल सका इस कारण बहुत ही ज्यादा आर्थिक छती का सामना करना पड़ रहा है हजारों की संख्या में मिट्टी फूस खपड़ा निर्मित घर जल में विलीन हो गया छत निर्मित मकान गंगा अस्तर बढ़ने से मिट्टी कटाव के कारण ध्वस्त हो गया ग्रामीणों के समस्या को देखते हुए समाजसेवी धर्मेंद्र कुमार सिंह भाजपा नेता द्वारा बिहार के पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर सारण में हुए बाढ़ ग्रसित गांव को बाढ़ ग्रसित घोषणा की जाय और सभी बाढ़ ग्रसित ग्रामीणों को उचित मुआवजा मिले ताकि ग्राम वासियों को जो हजारों लाखों में छती हुई है उन्हें बिहार सरकार द्वारा मदद मिलने पर उन्हें राहत मिलेगी एवं जो भी छती हुई हो उसे पूर्ति करने में बहुत बड़ा एक मदद साबित होगा

महात्मा गांधी के जयंती पर रोटरी अध्यक्ष डाक्टर प्रदीप ने राष्ट्रपिता गांधी जी के मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ किया रक्तदान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवानः महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर रोटरी क्लब आफ सिवान संकल्प के रोटेरियन द्वारा गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही रोटरी क्लब आफ सिवान के वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष डाक्टर प्रदीप द्वारा सिवान सदर अस्पताल के ब्लड बैंक रक्तदान भी किया गया। इस अवसर पर डाक्टर प्रदीप ने कहा कि रक्तदान करना जरूरी हैं। इससे जरुरतमंद की जान बचाई जा सकती हैं। इस अवसर पर रोटरी उपाध्यक्ष सुधिर पाठक, सिवान ब्लड डोनर क्लब के संरक्षक निवेश बर्मा नील, रोटरीयन भारत भूषण पांडेय, रोटरीयन अतुल कुमार श्रीवास्तव, राधेश्याम सहित अन्य उपस्थित थे।

महात्मा गाँधी के 155 वीं जयंती धुमधाम से मनाई गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीवान ज़िले के सभी प्रखंड के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में बुधवार को महात्मा गाँधी की 155 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. इस अवसर पर महात्मा गाँधी और देश के दुसरे प्रधानमंत्री माननीय लालबहादुर शास्त्री को संयुक्त रुप से उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी शिक्षकों संग छात्र व छात्राओं ने माल्यार्पण किए. वहीं शिक्षकों ने बच्चों के समक्ष महात्मा गाँधी के जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किए. इस सौदर्भ में उमवि कुतुबछपरा उर्दू में प्रधानाध्यापक मो हसमुद्दीन द्वारा एक सभा का आयोजन कर महात्मा गाँधी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जन्म दिन पर बच्चों के बीच उपहार वितरण किए. वहीं उमवि हबीबनगर में भी शिक्षकों संग बच्चों ने महात्मा गाँधी के तैल चित्र पर मल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की एवं उनके जीवनी पर प्रकाश डाले. इस अवसर पर वरीय शिक्षक राजेश कुमार, मो तौसिफ अनवर, नेसार अहमद, खलील अहमद, हरेन्द्र मांझी, प्रीति निहारिका, शाहिना कुतबी, आरफा नाजमी, अभिनंदन कुमार, शाहिन परवीन, प्रधानाध्यापक व्यास प्रसाद, मैनेजर यादव, अलगू बैठा, रजिया खातून, परवेज रौशन, शंभु चौधरी, सरोज कुमारी, बसंत कुमार पर्वत, विष्णु यादव, 7 बाल्मीकि ओझा, सोनी कुमारी, रश्मि तिवारी, अमरेंद्र कुमार, अनुराग, तुषार सिंह, उमेश कुमार सहित अन्य ने भी संबोधित किए.

नालंदा से स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने किया जनजागरण अभियान की शुरूआत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा और पुंजीपतियों के दबाव में स्मार्ट मीटर के नाम पर बिहारियों को लुट रहे हैं नीतीश कुमार : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- सीएम के गृह जिले से कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने शुरू किया स्मार्ट मीटर के खिलाफ जनजागरण अभियान

पटना. बुधवार, 2 अक्टूबर, 2024 बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के द्वारा बिजली के प्री पेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ विगत डेढ़ महीनों से शुरू किए गए चरणबद्ध आंदोलन के तहत आज जनजागरण अभियान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा. अखिलेश प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा से इसकी शुरुआत की जनजागरण अभियान के बारे में बताते हुए बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली विभाग ने लूट मचा रखी है और इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद समाजवादी पृष्ठभूमि के होने के बावजूद जनता के हितों की अनदेखी करके भाजपा और उसके संरक्षण में पल रहे पूंजीपतियों के दबाव में आम जनता का दोहन कर रहे हैं। पहले जहां आम आदमी का 1000 रुपए बिल आता था वो अब चार गुना से पांच गुना बढ़ चुका है। बिहार की आम जनता को लूटने की साजिश का खुलासा होने के बावजूद इस तरीके से दबाव बनाकर बार बार स्मार्ट मीटर लगाने की जो सरकारी गतिविधियां हो रही है उससे सरकार की मंशा साफ दिख रही है कि उसको इसे लागू करने के लिए दबाव दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रहकर आम जनता से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कोई मतलब रह नहीं जाता। इस योजना के खिलाफ बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि 16 अक्तूबर को बिहार के सभी जिलों में स्मार्ट मीटर के खिलाफ जन आक्रोश मार्च एवम विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व लालबहादुर शास्त्री के जन्म जयंती पर हमने इस जन जागरण अभियान की शुरूआत कर दी है जो एक हफ्ते तक चलेगा। बिहार की गरीब जनता के पक्ष में कांग्रेस पार्टी लगातार खड़ी है और जब तक हम सरकार को स्मार्ट मीटर के उसके फैसले को वापस नहीं करा लेंगे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि जमीन सर्वेक्षण पर कांग्रेस के स्टैंड और भारी विरोध के कारण सरकार को इसे रोकना पड़ा है और स्मार्ट मीटर पर भी हम सरकार को फैसले वापस लेने को विवश कर देंगे।

मंजीत कुमार एवं पुष्करदेव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आज सुप्रसिद्ध डॉक्टर रामानुज प्रसाद सिंह, व्यवसायी मंजीत कुमार एवं पुष्करदेव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस के प्रति प्रबुद्ध एवं आम लोगों का नजरिया तेजी से बदलने लगा है। झूठ और फरेब की राजनीति करने वालों से जनता उब चुकी है और बौद्धिक वर्ग से लेकर आम भारतीय जान चुका है कि इस देश की मजबूती कांग्रेस की मजबूती से ही आयेगी।
इस अवसर पर शामिल इन लोंगो ने कहा कि कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के कुशल नेतृत्व एवं उनके विचारों से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला लिया है।
इस मौके पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजेश पाण्डेय, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव प्रसाद यादव, लाल बाबू लाल, गोरखनाथ, प्रो0 अम्बुज किशोर झा, ज्ञान रंजन सहित अनेकों नेता उपस्थित थे।

सीवान में विद्या भारती की 35 वीं अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- महावीरी विद्यालय विजयहाता में पांच दिनों तक चलेगी राष्ट्रीय 35 वीं ताइक्वांडो प्रतियोगिता

सीवान : विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में लोक शिक्षा समिति, बिहार द्वारा आयोजित 35 वीं अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार, 02 अक्टूबर को शहर के महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता, सीवान के परिसर में संपन्न हुआ। इस मौके पर विद्या भारती बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम जी, उत्तर बिहार प्रांत लोक शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, सीवान के विभाग संयोजक प्रो रविन्द्र पाठक, विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की अध्यक्ष डॉ रीता कुमारी, सचिव ओमप्रकाश दुबे व प्रधानाचार्य श्री शम्भु शरण तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर के अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर उपस्थित अतिथियों ने देश के दोनों महानायक पूज्य महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर के उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की उद्घाटन समारोह में विद्या भारती के क्षेत्रीय खेल-कूद संयोजक तथा इस प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय अधिकारी, सविमं छपरा के प्राचार्य फणीश्वरनाथ जी, क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार संयोजक नवीन सिंह परमार, खेल-कूद विभाग के प्रांतीय मार्गदर्शक एवं बेगूसराय विभाग के जिला निरीक्षक श्री कृष्ण कुमार प्रसाद, 'गंगा समग्र' के प्रदेश संगठन मंत्री जय किशोर पाठक , प्रांतीय खेल-कूद प्रमुख कुंदन कुमार सहित शहर के सभी महावीरी विद्यालय के प्रधानाचार्य व प्रबंध समितियों के सदस्य उपस्थित थे जिनमें महावीरी शिशु मंदिर, मखदुमसराय के प्रधानाचार्य कमलेश नारायण सिंह, महावीरी बालिका की प्राचार्या श्रीमती सिम्मी कुमारी मुख्य रूप से उल्लेखनीय हैं। उद्घाटन समारोह का संचालन कृष्ण कुमार प्रसाद व सभी आगत अतिथियों का परिचय व स्वागत महावीरी विजयहाता के प्राचार्य श्री शम्भु शरण तिवारी ने किया। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो रविन्द्र पाठक व धन्यवाद ज्ञापन ओमप्रकाश दुबे ने किया। स्वदेशी अपनाकर ही हम देश को सबल बना सकते हैं 35 वीं अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम जी ने कहा कि 02 अक्तूबर हमारे देश के दो महापुरुषों, महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती, साथ ही महान चित्रकार राजा रवि वर्मा जी की पुण्यतिथि हैं। इन तीनों महापुरुषों ने अपने आचरण में स्वदेशी भाव अपना कर एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है। हम भी अपने जीवन के हर क्षेत्र में स्वदेशी का भाव लागू कर देश को गौरवशाली बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अनुशासित और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन के लिए खेलों का विशेष महत्व है, जिससे व्यक्ति भविष्य जीवन में वांछित लक्ष्य को प्राप्त हुए सफलता की मंजिल तक पहुंच सकता है। संगठन मंत्री ने खिलाड़ी भैया-बहनों का आह्वान किया कि वे खेल की बारीकियों को सीखते हुए सर्वश्रेष्ठ बनने की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज खेल के क्षेत्र में भी बेहतर अवसर हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न पैरा-ऑलिम्पिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे विश्व को अनुशासित, समर्पण नियमित अभ्यास से परिचित करवाया है तथा बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कई मैडल हासिल किए हैं। हमें आज संकल्प लेना है कि आप भी भविष्य में भारत के लिए मेडल लाकर देश को गौरवान्वित करेंगे देश के 23 राज्यों से 401 खिलाड़ी पहुंचे हैं सिवान 35 वां अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के प्रभारी व विद्या भारती के क्षेत्रीय खेल-कूद संयोजक श्री फणीश्वरनाथ जी ने बताया इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न 23 राज्यों से 401 खिलाड़ी भैया-बहन और 40 संरक्षक आचार्य बन्धु भगिनी व 14 निर्णायक बन्धु-भगिनी उपस्थित हैं। उन्होंने बताया कि 05 अक्टूबर तक यह प्रतियोगिता चलेगी। इस प्रतियोगिता में हर आयु वर्ग के प्रथम आने वाले खिलाड़ी भारत सरकार द्वारा आयोजित एस जी एफ आई के खेल प्रतियोगिता में विद्या भारती विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दिवस पर ₹स्वच्छता ही सेवा₹ अभियान के अंतर्गत सशस्त्र सीमा बल की 48वीं वाहिनी द्वारा किया गया 02(दो) घंटे का श्रमदान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दिवस पर "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत सशस्त्र सीमा बल की 48वीं वाहिनी द्वारा किया गया 02(दो) घंटे का श्रमदान।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत चलाये जा रहे ह्रस्वच्छता ही सेवाह्र अभियान के तहत गोविंद सिंह भंडारी, कमांडेंट 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल

मधुबनी जिला के जयनगर के पर्यवेक्षण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दिवस के अवसर पर दिनांक 02/10/2024 को समय 07 से 09 बजे तक संतोष कुमार निमोरिया, उप कमांडेंट एवं संबंधित समवाय कमांडरों के नेतृत्व में निम्नलिखित स्थानों पर स्वच्छता के लिए 02 (दो) घंटों का श्रमदान कार्यक्रम किया गया:-

1) मधवापुर बाजार में नो मेन्स लैंड तक साफ सफाई।
2) देवी भगवती मंदिर परिसर उच्चैठ बेनीपट्टी मे साफ सफाई।
3) दिगीयाटोल गाँव एवं शहीद सिकंदर यादव सरोवर के आसपास सफाई।
4) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमगाँव हरलाखी में साफ सफाई।
5) दुबही बाजार जानकीनगर व आस पास के ईलाके की साफ सफाई।6) सीमा चौकी कमला के जवानो द्वारा अनुमंडल अस्पताल (रउल) जयनगर तथा इसके आसपास के क्षेत्र की साफ सफाई।
8) जयनगर के पास 02 किलोमीटर नेपाली रेलवे ट्रैक एवं आसपास की सफाई। स्वच्छता कार्यक्रम में, एस० अल० मीना स्टेशन मास्टर, राजेश होंबल वरिष्ठ प्रोजेक्ट मैनेजर, नेपाली रेलवे स्टेशन जयनगर, राजकीय रेलवे पुलिस के कार्मिक एवं स्थानीय नागरिक व सशस्त्र सीमा बल के कार्मिको ने बड़े उत्साह से भाग लिया। श्री गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह सामूहिक प्रयास से ही सफल हो सकती है। उन्होंने आगे बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि इसे रोजमर्रा की दिनचर्या में अपनाना अति आवश्यक है।

सैकड़ों शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के कार्यकर्ताओ ने जन दावेदारी मार्च निकाल कर

महात्मा गांधी के प्रतिमा और लाल बहादुर शास्त्री के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया संकल्प सभा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

ताजपुर / समस्तीपुर (- 02 अक्टूबर 2024नगर के जननायक कपूरी ठाकुर रेफरल अस्पताल से सैकड़ों कार्यकताओं ने शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला कमिटी समस्तीपुर के झंडे बैनर तले राष्ट्र पिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर जन दावेदारी मार्च जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार के नेतृत्व में निकाला। जो बिभिन्न मार्गो हॉस्पिटल मैदान, हॉस्पिटल चौक, थाना चौक, सेंट्रल बैंक, ताजपुर थाना गेट, पोस्ट ऑफिस गेट, ताजपुर बाजार, नीम चौक, गुदरी बाजार चौक स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर माल्यार्पण सह संकल्प सभा जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार के अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्व प्रथम शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार, जिला कमिटी सदस्य राजीव कुमार राय, नरेश राय, राम सागर राय, सुशील कुमार मिश्रा, मोहम्मद शमशेर अहमद, अनिता,देवी, शिव कुमारी देवी, सोनिया देवी, राम सागर राय, रवि रंजन, प्रवीण कुमार,कृष्ण कुमार,समेत मुंशी लाल राय, विश्वनाथ ठाकुर, अशर्फी पासवान, शंकर सिंह, रीना देवी, महेश प्रसाद सिंह, मिश्री लाल पासवान,उमेश पासवान, महेश्वर पासवान, राजेश कुमार, चंदेश्वर पासवान,मोती लाल साह ,शंभू पासवान, मंटून पासवान, शमा खातुन ,क्रांति देवी ,चंपा देवी , नीतू देवी , अनिता देवी, सीता देवी , रेखा देवी , रीता देवी, चानो देवी, शीला देवी, पिंकी देवी , कामिनी कुमारी , सविता देवी , खुश्बू देवी , अनिता देवी, चंपतिया देवी , राजेंद्र सदा , जगन सदा , दयवती देवी , रंजू देवी, रोहित कुमार , रमेश पासवान, ललिता देवी , पिंटू कुमार , सुरेश पासवान,राम नरेश चौधरी,वीरेंद्र जी, शिवजी पासवान , दीप नारायण राय, राम सागर सिंह, श्याम कुमार राय, चंदेश्वर पासवान, नंद लाल पासवान, महेश्वर पासवान, नंद लाल राय, साजन कुमार, पप्पू कुमार, मंजू देवी, चनिया देवी, रिंकु देवी, रंजू देवी, वीर लाल सहनी, ममता देवी,सुशीला देवी, पूनम देवी रीना देवी, जानकी देवी, राज कुमारी देवी, पानवती देवी,समेत कई अन्य नेता कार्यकर्ता ने माल्यार्पण किया तत्पश्चात जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार के अध्यक्षता में संकल्प सभा आयोजित कर तमाम कार्यकर्ताओ ने महान क्रांतिकारी भगत सिंह,डॉक्टर भीम राव अंबेडकर,राष्ट्र पिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सहित तमाम शहीदों के सपनो को पूरा करने का संकल्प लिया।

प्रशांत किशोर राजनीतिक व्यावसायिकता का नया चेहरा : प्रभाकर मिश्रा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, बिहार भाजपा केप्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने प्रशांत किशोर की नई पार्टी 'जन सुराज' को आड़े हाथों लेते हुए इसे राजनीतिक व्यावसायिकता का नया रूप करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर का राजनीतिक सफर स्वार्थ और व्यावसायिक हितों पर आधारित है और 'जन सुराज' पार्टी झूठ और भ्रम का एक और प्रयास मात्र है।

1. राजनीति या व्यापार?
प्रशांत किशोर ने राजनीतिक सलाहकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन अब उनकी नई पार्टी 'जन सुराज' केवल एक व्यावसायिक उपक्रम बनकर रह गई है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या प्रशांत किशोर वास्तव में जनता की सेवा कर रहे हैं या केवल अपनी व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं?

2. वादा बनाम असलियत
प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि प्रशांत किशोर ने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीतियां बनाई हैं, लेकिन उनके द्वारा किए गए वादों की वास्तविकता हमेशा भिन्न रही है। उन्होंने पूछा, "क्या वे अपने नए राजनीतिक वादों को भी उसी तरह भूल जाएंगे, जैसे पहले के कई दलों के साथ किया?"

3. परिवर्तन के नाम पर भ्रम:-
'जन सुराज' का गठन केवल एक नए ब्रांड के तहत पुराने राजनीतिक खेल को जारी रखने का प्रयास है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या प्रशांत किशोर वास्तव में बदलाव लाना चाहते हैं, या यह सब उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए एक और प्रयास है।

4. जनता की चिंता:-
भाजपा ने आशंका जताई कि प्रशांत किशोर वास्तव में जनता की आवाज सुनने के बजाय अपने राजनीतिक खेल में जनता के मुद्दों को नजरअंदाज कर रहे हैं। प्रभाकर मिश्रा ने कहा, "जनता अब समझ चुकी है कि ऐसे राजनीतिक व्यावसायिक चेहरों पर विश्वास नहीं किया जा सकता जो केवल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए काम करते हैं।

5. असली नेतृत्व की आवश्यकता:-
भाजपा का मानना है कि बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो जनता के हित में काम करे, न कि ऐसे नेताओं को जो केवल राजनीतिक व्यावसायिकता को बढ़ावा दें। श्री मिश्रा ने कहा, "भाजपा ऐसे नेताओं के खिलाफ है जो जनता की भावनाओं का शोषण करते हैं और अपने निजी हितों के लिए राजनीति का इस्तेमाल करते हैं।"

भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने जनता से अपील की कि वे प्रशांत किशोर की राजनीति के पीछे की असली मंशा को समझें और ऐसे नेताओं से दूरी बनाएं जो केवल अपने फायदे के लिए राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आइए, हम मिलकर एक सशक्त और विकसित बिहार का निर्माण करें।"

मंजीत कुमार एवं पुष्करदेव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय,सदाकत आश्रम में आज सुप्रसिद्ध डॉक्टर रामानुज प्रसाद सिंह, व्यवसायी मंजीत कुमार एवं पुष्करदेव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस के प्रति प्रबुद्ध एवं आम लोगों का नजरिया तेजी से बदलने लगा है। झूठ और फरेब की राजनीति करने वालों से जनता ऊब चुकी है और बौद्धिक वर्ग से लेकर आम भारतीय जान चुका है कि इस देश की मजबूती कांग्रेस की मजबूती से ही आयेगी।

इस अवसर पर शामिल इन लोंगो ने कहा कि कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के कुशल नेतृत्व एवं उनके विचारों से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला लिया है। इस मौके पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजेश पाण्डेय, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव प्रसाद यादव, लाल बाबू लाल, गोरखनाथ, प्रो0 अम्बुज किशोर झा,ज्ञान रंजन सहित अनेकों नेता उपस्थित थे।राजेश राठौड़

गांधी , शास्त्री एवम प्रजापति मिश्र को उनकी जयंती पर नमन किये कांग्रेसजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. 2 अक्टूबर 2024बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 156 वीं जयंती, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री के 120 वीं जयंती और बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष रहें स्व. पंडित प्रजापति मिश्र के 126 वीं जयंती के मौके पर उनके प्रतिमा एवम तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने की।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री के बताएँ आदर्शों पर चलकर ही हमारा देश एकजुट रहेगा। गांधी के विचारों को जिंदा रखने के लिए सभी कांग्रेसजन को आगे आना होगा और देश में गांधीवाद को प्रबलता से अपनाना होगा। स्व. शास्त्री को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शास्त्री ने राजनीतिक शुचिता की जो मिसाल पेश की है वो राजनीतिक व्यक्तियों के लिए आदर्श है। उन्होंने बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्व. प्रजापति मिश्र को नमन करते हुए उन्हें महान विभूति बताया।

जयंती कार्यक्रम में कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र कुमार, वीणा शाही , ब्रजेश पाण्डेय,राजेश राठौड़, संजीव प्रसाद टोनी, लाल बाबू लाल,, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव प्रसाद यादव, प्रमोद कुमार सिंह, अनिल कुमार, अम्बुज किशोर झा, शरवत जहां फातिमा, ज्ञान रंजन, शिव प्रकाश गरीब दास, सूरज यादव, आलोक हर्ष, राज किशोर सिंह, कैसर खां, प्रभात द्विवेदी आसिफ गफूर आदित्य पासवान, रीता सिंह, सुधा मिश्रा, मधुरेन्द्र सिंह, अरविन्द लाल रजक, शशि रंजन, आशुतोष शर्मा मधुबाला, मंजीत आनन्द साहू, अखिलेश्वर सिंह मनोज मेहता, ललन कुमार, मनीष सिन्हा उदय शंकर पटेल, वैद्यनाथ शर्मा, सत्येन्द्र पासवान, अश्विनी कुमार, संतोष कुमार श्रीवास्तव वसी अख्तर, सुदय शर्मा, वैद्यनाथ बैठा, शंकर स्वरूप, सत्येन्द्र कुमार सिंह, विमलेश तिवारी, निधि पाण्डेय, मिथिलेश शर्मा मधुकर, रमाशंकर पाण्डेय, राज छविराज, मृणाल अनामय, प्रद्युम्न यादव, नदीम अंसारी, मो0 कामरान, अमित कुमार, सोनू अग्रवाल, संस्कार यादव, राजनन्दन कुमार, अमित कुमार,रूपन झा, अनूप कुमार नवेन्दु झा, मिहिर झा, मंजीत कुमार, अब्दुल बकी सज्जन,नरेन्द्र सिंह कुशवाहा, दिलीप कुमार सिंह, बी0के0सिंह, विजय किशोर प्रसाद सिन्हा, निकिता भगत, डा0 वरूण शर्मा,चित्तरंजन सिंह पतन, सतीश कुमार चंदन,राहुल पासवान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन ने महान विभूतियों को नमन किया।

राष्ट्रपति महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री देशरत्न लालबहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गयी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : - - आज दिनांक 2अक्टूबर को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री देशरत्न लालबहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद ने की। समारोह मे सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरू किया गया। जयंती समारोह को को सम्बोधित करते हुए, जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा कि शास्त्री जी 9 जून 1964 को भारत के प्रधानमंत्री का पद भार ग्रहण किया। उनके कार्यकाल में 1965 का भारत पाक युद्ध शुरू हो गया। इससे तीन वर्ष पूर्व चीन का युद्ध भारत हार चुका था। शास्त्रीजी ने अप्रत्याशित रूप से हुए इस युद्ध में राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान किया और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इसकी कल्पना पाकिस्तान ने कभी सपने में भी नहीं की थी। ताशकंद में पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी 1966 को रात में ही रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिये मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया लाल बहादुर शास्त्री एक महान व्यक्ति थे।वहीं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के द्वारा देश हित मे किया गया कार्य को कभी भुलाया नही जा सकता। उनका सत्याग्रह आंदोलन देश की आजादी मे अहम काम किया। समारोह को प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह सहित मौके पर मौजूद सभी वक्ताओं ने उन सभी विभूतियों के जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर विभा देवी पूर्व जिलापार्षद, रामानंद सिंह, अमरजीत कुमार, मनोरंजन सिंह, सैय्यद मो मसूद जावेद, कृष्णदेव साह, विष्णुदेव रजक, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, मो बशीर, मो असरफ, माहेश्वरी देवी, सुनैना देवी, संतोष कुशवाहा, श्रवन कुमार, सुबोध चौधरी, फूलपरी देवी, तेतरी देवी, संजय कुमार राम, रामबरण राम, सुरेश कुमार राम, संजय चौधरी निषाद, सोहन राय, अकलू राम, अरुण कुमार, मो रहमत, विन्देश्वर चौधरी, नरेंद्र प्रसाद सिंह, नागो राम, डॉ दिलीप कुमार चौधरी जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ, आलोक कुमार, अनिल सिंह कुशवाहा, प्रवीण कुमार महतो, अमित कुमार, बिरजू कुमार साह, बलराम कुशवाहा, भरत पासवान आदि लोग उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विधानसभा सप्तमूर्ति पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- महापुरुषों की प्रतिमा की सफाई के साथ स्वच्छता अभियान को दिया नया आयाम : डॉ दिलीप जायसवाल"
- स्वच्छता हमारे मानसिक और आध्यात्मिक विकास का प्रतीक है : डॉ दिलीप जायसवाल
- महापुरुषों के आदर्शों पर चलते हुए स्वच्छता को अपनाएं : डॉ दिलीप जायसवाल
- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने किया महापुरुषों की प्रतिमा की सफाई का नेतृत्व

दिनांकः 2 अक्टूबर पटना, बिहारः सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 2 अक्टूबर गाँधी जयंती पर आज विधानसभा सप्तमूर्ति के पास महापुरुषों की प्रतिमा की सफाई का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में स्वच्छता अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया इस स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय,मंत्री श्री नितिन नवीन, विधायक संजीव चौरसिया सम्मिलित रहे और इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में महापुरुषों के योगदान को सम्मानित करना था।इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा, "स्वच्छता केवल एक शारीरिक प्रक्रिया नहीं है, यह हमारे मानसिक और आध्यात्मिक विकास का प्रतीक भी है। हमारे महापुरुषों की प्रतिमाएं हमें सदैव प्रेरित करती रहेंगी और हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज को स्वच्छ और सुदृढ़ बनाना चाहिए.इस कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ प्रतिमाओं की सफाई की और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।भारतीय जनता पार्टी निरंतर इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से जनसेवा के कार्य करती रही है और आगे भी करती रहेगी इस सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार,रीता शर्मा,प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता,प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमीत प्रकाश बबलु,आशुतोष शंकर, सच्चिदानंद पियूष,भारतेंदु मिश्रा सहित भाजपा के सैकड़ों नेता कार्यकर्त्ता शामिल हुए।

गांधी जी के प्रतिमा का हुआ अनावरण

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : - जिले के ताजपुर प्रखंड के कोठिया में गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी के प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विद्या सागर निषाद द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष कुमार समर्पण ने किया।कार्यक्रम को मुखिया धर्मेंद्र कुमार पूर्व उप प्रमुख नवीन सिंह पंसस प्रवीण कुमार बालो साह संजय गुप्ता सिपेश्वर दास रामवरण साह डॉ उपेंद्र नाथ झा सरपंच राज नारायण साह संजय राम दिलीप कुमार अनुपम आदि ने संबोधित किया।गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता रैली निकाला गया इधरप्रखंड के कोठिया पंचायत स्थित माँ सरस्वती पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान के तहद रैली निकाला गया।मौके पर निदेशक सलोनी सिन्हा संस्थापक संजीव कुमार आदि मौजूद थे।साथ ही रेफरल अस्पताल में भी स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी डॉ सोने लाल राय की अध्यक्षता में हुआ।मुके पर रंजीत सिंह आदि मौजूद थे।

स्वस्थ समाज, सशक्त समाज की नींवः डॉ दिलीप जायसवाल

आर्य कन्या विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, डॉ दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में जनता को मिला लाभ

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- नियमित स्वास्थ्य जांच को समझें, स्वस्थ समाज बनाएं : डॉ दिलीप जायसवाल :
- प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल की अगुवाई में सेवा पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का वितरण

दिनांकः 2 अक्तूबर पटना, बिहारः सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज आर्य कन्या विद्यालय, मीठापुर में पटना नगर निगम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।साथ ही सफाईकर्मियों को सम्मिनानित किया गया।कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, मंत्री श्री नितिन नवीन ,विधायक संजीव चौरसिया सहित नगर निगम के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने नागरिकों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श और औषधि प्रदान किया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा, "सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज के प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी प्राथमिकता है। स्वस्थ समाज ही सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है, और यह शिविर उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी को नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को समझना चाहिए।शिविर में भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे,और सभी को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं दी गई।शिविर के अंतर्गत रक्तचाप, शुगर, नेत्र जांच, और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गई,भारतीय जनता पार्टी हमेशा से समाज सेवा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित रही है, और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा इस सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष रीता शर्मा,प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता,प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमीत प्रकाश बबलु, आशुतोष शंकर ,स्थानीय वार्ड पार्षद सहित भाजपा के सैकड़ों नेता कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्वच्छता को गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया :चिराग पासवान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 02 अक्टूबर, 2024केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे होने पर स्वच्छता को गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया और इस स्वच्छता जागरूकता अभियान को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को दिया है । श्री चिराग ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि स्वच्छता के लिए सबसे महत्वपूर्ण ह्रस्वच्छ भारत मिशनह्र के आज दस वर्ष पूरे हुए हैं।स्वच्छ भारत के माध्यम से ही हम महात्मा गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। आज ही के दिन 2014 में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ किया था। आज संपूर्ण स्वच्छता की भावना भारत के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। स्वच्छता ही सेवा-2024 की थीम ह्रस्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छताह्र है और इस अभियान ने देश को स्वच्छता के प्रति एकजुट किया है। महात्मा गांधी का ह्रस्वच्छ भारतह्र का सपना आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में साकार हुआ है।

रेडियो स्नेही पर गांधी जयंती विशेष कार्यक्रम का आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान। रेडियो स्नेही, सामुदायिक रेडियो स्टेशन पर आज गांधी जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता पांडेय रामेश्वरी प्रसाद, राजीव रंजन राजू, मनोज कुमार सिंह और डॉ. अली असगर साहब ने अपने विचार व्यक्त किए और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधु सूदन प्रसाद ने किया।
वरिष्ठ अधिवक्ता पांडेय रामेश्वरी प्रसाद ने गांधी जी के जीवन और उनके सत्य तथा अहिंसा के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "गांधी जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी और हमें सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।
राजीव रंजन राजू ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा, "गांधी जी ने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि अहिंसा और सत्य की ताकत से बड़े से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। हमें उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है।मनोज कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के नेतृत्व और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर चर्चा करते हुए कहा, "गांधी जी ने हमें स्वतंत्रता दिलाई, लेकिन उनके सपनों का भारत तब पूरा होगा जब हम सामाजिक समरसता और न्याय की स्थापना करेंगे।डॉ. अली असगर साहब ने कहा, "गांधी जी का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके विचारों में मानवता, शांति, और भाईचारे की भावना समाहित है। हमें उनके आदर्शों को सदैव याद रखना चाहिए।
कार्यक्रम का समापन गांधी जी के विचारों और उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

बाढ़ प्रभावित छेत्र में राहत और बचाव कार्य जारी.डीएम

मो. सद्रे आलम नोमानी

सीतामढ़ीःबागमती नदी का बांध क्षतिग्रस्त होने के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति से निपटने के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा हर स्तर पर मुकम्मल तैयारी की गई है।राहत एवं बचाव का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में अंतर्विभागीय समन्वय के साथ राहत एवं बचाव का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी द्वारा लगातार इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है।साथ ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया जा रहा है एवं पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।उक्त बात अपर समाहर्ता आपदा श्री बृजकिशोर पांडे ने समाहरणालय के विमर्श कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि बेलसंड प्रखंड के 05 पंचायत गंभीर रूप से एवं शेष 05 पंचायत आंशिक रूप से तथा रुन्नीसैदपुर के 05 पंचायत गंभीर रूप से एवं शेष 12 पंचायत आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 23650 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। निष्क्रमण में एनडीआरएफ की चार टीम एवं एसडीआरएफ की 01 टीम तथा 27 नावों के माध्यम से राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है।अपर समाहर्ता ने जानकारी दी कि अब तक 13190 राशन पैकेट जिसमें प्रत्येक पैकेट में चूड़ा,चीनी, चना एवं हैलोजन टैबलेट होता है वितरित किया गया है।राशन पैकेट बनाने का कार्य स्वच्छता के मानदंडों का पालन करते हुए एवं जीविका दीदियों के सहयोग से इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि अभी तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 11260 पॉलिथीन सीट्स का वितरण किया गया है।दोनों प्रखंडों को मिलाकर 27 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित है जिसमें बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को गर्म पका भोजन दिया जा रहा है। आज के दिन कुल 12100 लोगों को सामुदायिक रसोई केंद्रों पर भोजन कराया गया है।प्रभावित क्षेत्रों में 12 मेडिकल टीम कार्य कर रही है।चुनाव एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है।

अरवाईए जिरादेई का दूसरा प्रखंड सम्मेलन हुआ देश से ठेका प्रथा खत्म हो - आरवाईए

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान 2 अक्टूबर बुधवार।महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर इंकलाबी नौजवान सभा का दूसरा प्रखंड सम्मेलन जिरादेई के जमापुर में संपन्न हुआ । इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान जिला अध्यक्ष उपेंद्र साह और जिला सचिव जयशंकर पंडित के कहा की रोज रोज अपने भाषणों में मोदी सरकार कहा करती थी कि ये देश नौजवानों का देश है नौजवानों से वादा करते थे की हम हर साल 2 करोड़ नौजवान को रोजगार देंगे ।लेकिन आज सत्ता में रहते 11 साल हो चुका है नौजवानों को रोजगार देने तो दूर मोदी जी रोजगार पर आज बात भी करना नही चाहते है। केंद्र सरकार के अधीन आने वाले तमाम संस्थाओं में लगभग 30 लाख पद खाली है इस पर बहाली करने के वजाय मोदी जी कानून बना दिये की जो पद 5 साल से ज्यादा तक खाली रहेगा वह अपने आप खत्म हो जाएगा। रेल सबसे ज्यादा नौकरी देने वाला संस्थान है रेलवे में 4 लाख पद खाली है उसपे बहाली के वजाय उसको निजी हाथों सौंप जा रहा है देश के सारे संस्थान को बेचा जा रहा है।वहीं इस सम्मेलन को संबोधित इंकलाबी नौजवान सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व जिरादेई विधायक अमरजीत कुशवाहा ने कहा की नौजवानों के पास दो रास्ते है शहिदे आजम भगत सिंह - बाबा साहेब अंबेडकर और दूसरा अंग्रेजो से माफी मांगने वाला रास्ता है देश के नौजवानों को भगत सिंह और अंबेडकर के रास्ते पर चलना होगा।

ताजपुर में पहली बार हुआ स्वच्छता मैराथन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर (इन्डो गल्फ संवाददाता) गांधी जी के जन्मदिन पर नगर परिषद ताजपुर में स्वच्छ भारत दिवस बहुत ही भव्य तरीके से मनाया गया 12 अक्टूबर को सुबह 6 बजे ताजपुर में पहली बार स्वच्छता मैराथन का आयोजन किया गया जिसमे करीब 1200 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।साथ ही लगभग 2000 लोगों को एक साथ एल.के.वी.डी. कॉलेज मैदान में कार्यपालक पदाधिकारी श्री सचिन कुमार ने स्वच्छता शपथ दिलाई ।
कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य पार्षद अनिता कुमारी और उप मुख्य पार्षद पूनम देवी ने सयुक्त रूप से फीता काटकर किया । इसके बाद सरकारी विद्यालयों के बच्चों ने भारत के मानचित्र पर मानव श्रृंखला बनाई और साथ में स्वच्छता ही सेवा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा जल जीवन हरियाली का संदेश लिए पोस्टर लेकर भी लोगों को जागरूक किया ।ताजपुर स्वच्छता मैराथन में 16 वर्ष के अधिक के लड़के के लिए 4.5 कि. मी. का तथा लड़कियों और 16 साल के कम लड़कों का 2.5 कि. मी. का रेस रखा गया । मैराथन में जुनून डिफेंस अकादमी और घातक डिफेंस अकादमी के बच्चों का शानदार प्रदर्शन रहा । स्टाफ तथा जन प्रतिनिधियों ने भी मैराथन में भाग लिया, कार्यपालक पदाधिकारी सचिन कुमार ने स्वयं पूरा मैराथन पूरा किया तथा इस श्रेणी में प्रथम पुरुस्कार पाया। वहीं स्वच्छता पखवाड़े में कराए गए विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। नृत्य में संत मैरी ताजपुर, नाटक में डी पी एस ताजपुर, समूह गीत में उच्च मध्य विद्यालय मोतीपुर बालक तथा सबसे अच्छे अनुशासन के लिए संत मैरी ताजपुर को प्रथम पुरुस्कार मिला इसे आयोजन को बहुत ही शानदार तरीके से कराया गया जिस से पूरे ताजपुर के अच्छा संदेश गया हैं।इस कार्यक्रम के अवसर पर स्वच्छता पदाधिकारी मिथुन कुमार, विभिन्न वार्ड पार्षद, संतोष चौधरी, अनिकेत कुमार अंशु, मीडिया के साथी तथा अन्य गणमानय लोग उपस्थित थे ।

पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बोलें- सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं करूंगा, पापा ने भी ऐसा ही किया था

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा है कि वो अपने सिद्धांत के साथ कभी समझौता नहीं करेंगे। सोमवार को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में पार्टी के रउ-रळ प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने ये बात कही।

चिराग पासवान ने कहा कि जिस दिन लगेगा कि गठबंधन में मेरे लोगों के साथ अन्याय हो रहा है, या फिर हमलोगों की बातों को सुना नहीं जा रहा है तो फिर मंत्री पद को भी लात मारने में मुझे देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि मेरे पिता ने भी अपने लोगों के लिए मंत्री पद को लात मारी थी। चिराग पासवान ने इस कार्यक्रम में कार्यकताओं से कहा कि आरक्षण के मामले में कोर्ट ने कानून में बदलाव की बात की थी, जिसका विरोध मेरे पिता रामविलास पासवान ने किया था। उस वक्त भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरे पिता की बात सुनी थी। उन्होंने बातों का समझने का भी काम किया था और अगले दिन ही इसे वापस ले लिया था।

चाचा पशुपति पारस की तरफ से राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि ठीक है उन्हें लड़ने दीजिए सभी सीटों पर चुनाव। इसके आगे उन्होंने कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। रविवार पशुपति पारस ने कहा था कि अगर विधानसभा चुनाव में फछखड को उचित सम्मान नहीं मिला तो राज्य की सभी 243 सीटों पर हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा झारखंड में भी 1 सीट की मांग की है।

28 नवंबर को पटना में रैली करेंगे चिराग लोजपा(आर) अपने स्थापना दिवस 28 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में विशाल रैली करेगी। चिराग पासवान ने इसकी घोषणा भी इसी कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि झारखंड और बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर यह रैली महत्वपूर्ण है।

सोमवार की देर रात चिराग पासवान पूर्णिया पहुंचे। वहां उन्होंने सांसद पप्पू यादव से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पप्पू यादव के पिता को श्रद्धांजलि दी। चिराग पासवान ने कहा, 'यह घटना दुःखद है। इस घटना से बेहद मर्माहत हूं।' केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'सांसद पप्पू यादव के साथ उनके पुराने और पारिवारिक संबंध रहे हैं।'

बिहार में जल्द बहुत बदलाव दिखेगा पूर्णिया में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं बिहारी हूं और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट मेरा मिशन है। लिहाजा आने वाले तीन-चार महीना में उद्योग के क्षेत्र में काफी चीज बिहार में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाने का जिक्र हमने हमेशा किया है और यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने मुझे यही मंत्रालय सौंपा है। हम सब का मकसद है विकसित भारत के लिए काम करना और उस दिशा में काम कर रहे हैं।

वहीं आज सहरसा परिसदन में चिराग पासवान ने उट-रड के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए प्रशासन की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजू तिवारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के जयंती पर कोटी कोटी नमन

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 2अक्टूबर बुधवार। राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के जन्म दिन पर शिक्षक और छात्रों ने उन्हें कोटि कोटि नमन किया।और उनके और पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे विभिन्न विद्यालयों मे श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किया गया। वही ऊंच माध्यमिक विद्यालय सह इन्टर कॉलेज सवान विग्रह मे शिक्षको और छात्रों ने गांधी जी के जन्म दिन को हर्सो उल्लास वातावरण मे मनाया और शिक्षको ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवनी के बारे मे छात्रों को विस्तार पूर्वक बताया।गांधी जी सत्य अहिंसा के पूजारी थे और पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री एक कद्दावर नेता थे जो जय जवान जय किसान का नारा दिए थे। वही विद्यालय के शिक्षक और छात्रों ने प्रभात फेरी निकाल कर सवान विग्रह गांव का भ्रमण कर आम जनों तक गांधी जी रास्ते चल कर एक अच्छे राष्ट्र निमार्ता बन कर समाज मे अच्छा संदेश देने का आह्वान किए। इस मौके पर प्रधाना ध्यापिका श्रीमती दीपिका कुमारी, वरीय शिक्षक दुधनाथ साह, राकेश रंजन, दुर्वेश कुमार, कन्हैया सिंह, अजमेरी खातून, जागृति, गुंजन कुमार, धीरज यादव, मोहम्मद चुन्नू, आशिता सिंह, प्रियंका मौर्या, खुशबू कुमारी,रानी कुमारी इत्यादि मौजूद थे।

बिहार को 400 ई-बस मिलेगी, पटना से 150 खुलेगी; भागलपुर

पटना । बिहार के अलग-अलग शहरों के लिए राजधानी पटना से हर दिन करीब 30 हजार यात्री सफर करते हैं। इसमें राजधानी के अंदर भी यात्रा करने वाले पैसेंजर शामिल हैं। अब इन यात्रियों के लिए सफर करना और भी आसान होने जा रहा है। दरअसल, इस साल दिसंबर महीने के अंत तक बिहार सरकार 400 ई-बस लेकर आ रही है।

इनमें पटना शहर को 150 ई-बस मिलेगी। इसके अलावा बिहार के पांच बड़े शहर गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, भागलपुर, पूर्णिया के लिए 50-50 ई-बस मुहैया कराई जाएगी। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत बिहार को यह सौगात मिल रही है। फिलहाल पटनावासियों को 27 ई-बस की फैसिलिटी मिल रही है। नई ई-बसें जीपीएस की सुविधा से लैस होंगी। जिससे इनमें सफर रहे यात्रियों के परिजन बस को ट्रैक कर सकेंगे। साथ ही किसी भी तरह का खतरा होने पर बस में अलार्म भी बजेगा।

400 ई-बसों पर 874.80 करोड़ खर्च किए जाएंगे। ई-बस आने से पहले ई-चार्जिंग स्टेशन, बस स्टैंड और बस डिपो का निर्माण किया जाएगा। इसी कड़ी में पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में ई-चार्जिंग स्टेशन, बस स्टैंड, बस डिपो बनाए जा रहे हैं। ई-चार्जिंग स्टेशन के निर्माण में 8 करोड़ 82 लाख खर्च किए जाएंगे। जबकि, बस डिपो बनाए जाने पर 80 करोड़ की लागत आएगी। दिसंबर 2023 को नीतीश कैबिनेट ने लिया था निर्णय बिहार में 400 नई ई-बस चलाए जाने का फैसला 5 दिसंबर 2023 को कैबिनेट की बैठक में लिया गया था। केंद्र सरकार के फैसले को बिहार में शुरू करने की घोषणा हुई थी। इसमें 6 प्रमुख शहर पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया को चुना गया था। इस दौरान चार्जिंग के लिए स्टेशनों को बनाए जाने की नीति पर भी फैसला हुआ था। इसके अलावा 15 साल पुरानी सरकारी गाड़ी को स्क्रैप करने का भी निर्णय लिया गया था। जुलाई 2024 को बिहार सरकार ने परिवहन निगम को नई बस खरीदने के लिए 72 करोड़ जारी किए थे। 500 लोगों को मिलेगा रोजगार कैबिनेट एसीएस डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया था कि इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। प्रदेश के अंदर ई-चार्जिंग प्वाइंट समेत अन्य सुविधाओं के लिए वैकेंसी निकाली जाएगी। पांच सौ से अधिक लोगों को डायरेक्ट और इन डायरेक्ट तौर पर जॉब मिलेगी। 400 नई ई-बस से करीब 30 हजार यात्रियों को आने-जाने की सुविधा मिलेगी।

अनाज लेकर अमेरीका, उत्तर बिहार और कोसी के हवाई सर्वेक्षण पर सीएम

पटना। नेपाल में भारी बारिश की वजह से बिहार की नदियां उफान पर हैं। प्रदेश के 16 जिलों के करीब 10 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। पूर्णिया, सहरसा, सुपौल, दरभंगा में हालात बेहद खराब हैं। सरकारी मदद के अलावा अब राजनेता भी ग्राउंड जीरो पर जाकर लोगों की मदद करने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार सुबह कोसी क्षेत्र के बाढ़ ग्रस्त इलाके हवाई सर्वे किया। वहीं, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों के बीच मदद करने पहुंच गए। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों को रुपए भी बांटे। बाढ़ पीड़ितों को रुपए बांटने का वीडियो भी सामने आया है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी सोमवार को सहरसा में बाढ़ का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां लोगों से मुलाकात की और बाढ़ पीड़ितों के बीच अनाज भी बांटे। इधर, लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य भी सारण के इलाके में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हैं। इसके साथ ही वो नीतीश सरकार पर हमलावर भी हैं।

तस्वीरों में देखिए बाढ़ पीड़ितों की कैसे मदद कर रहे पप्पू यादव पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पूर्णिया और दरभंगा में के बाढ़ प्रभावित इलाकों का लगातार दौरा कर रहे हैं। वो कभी बुलेट तो कभी बाइक पर बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचकर उनकी मदद कर रहे हैं। अनाज लेकर बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे चिराग बिहार में बाढ़ की जद में आए लोगों की मदद के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी एक्टिव दिख रहे हैं। सोमवार को चिराग पासवान सहरसा पहुंचे। वहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच अनाज बांटी और लोगों से मुलाकात की। बाढ़ में 8 लोग जिंदा बहे 16 जिलों में बाढ़ ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सुपौल में तेज बहाव में शिवपुरी में दादा के कंधे पर बैठी 3 साल की बच्ची बह गई। बाढ़ के सदमे से हार्ट अटैक से एक महिला की मौत हो गई वहीं दरभंगा के किरतपुर में एक किशोर और तीन महिला-पुरुष बाढ़ में बह गए। सीतामढ़ी के रून्नीसैदपुर और बेलसंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर है वहां 3 लोग बाढ़ के पानी में बह गए। झारखंड में 6 अक्टूबर तक राज्य के मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने जा रहा है। हर दिन की तरह अगले एक सप्ताह तक दिन के पहले पहर में तेज धूप होगी और दोपहर दो बजे के बाद कहीं हल्के तो कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। सोमवार को भी राजधानी रांची सहित राज्य के अलग-अलग जिलों में पहले धूप फिर तेज बारिश का नजारा देखने को मिला।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सांसद के पिता को दी श्रद्धांजलि, पप्पू यादव की जमकर की तारीफ

पूर्णिया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सोमवार को देर रात्रि को पूर्णिया पहुंचे और सांसद पप्पू यादव से मुलाकात कर उनके पिता को श्रद्धांजलि दी। सांसद से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह घटना दुःखद है। मैं इस घटना से बेहद मर्माहत हूं। उन्होंने कहा कि सांसद पप्पू यादव के साथ उनके पुराने और पारिवारिक संबंध रहे हैं। उनके पिता उनके लिए अभिभावक की भूमिका में रहे। पप्पू यादव ऐसे नेताओं में से हैं, जिन्होंने हमेशा से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राजनीति की। अपनों के बीच अपनों का दुख बांटने आया हूं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि उन्होंने हमेशा से व्यक्तिगत रिश्तों को निभाने का काम किया है। ऐसे में परिवार में जिस तरीके से सांसद पप्पू यादव के साथ इतनी बड़ी घटना घटी है। मैं उनकी भावना को बेहतर समझ सकता हूं। पिता का साया जब सर से उठता है, तो हमेशा के लिए खालीपन रह जाता है। ऐसे में आज पूर्णिया आना और गले मिलना न सिर्फ उस एहसास का आदान-प्रदान करना है, बल्कि गले मिलकर दोनों ने एक दूसरे के दुखों को बांटा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मुझे कल ही आना था, लेकिन थोड़ी सी कन्फ्यूजन के कारण मैं नहीं आ सका। आज लंबी दूरी तय कर मैं पटना से पूर्णिया आया हूं। वहां मैं अपनों के बीच अपनों का दुख बांटने आया हूं। वहीं बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को लेकर उन्होंने कहा कि हमेशा से उन्होंने फूड प्रोसेसिंग का जिक्र किया है। वे अक्सर ऐसे मुद्दे उठाते रहे। उसी की का नतीजा रहा कि मुझे इसी से संबंधित विभाग कार्य करने के लिए दिया गया है। सीमांचल ही नहीं बल्कि पूरे बिहार के लिए कोई ऐसी बड़ी योजनाएं हैं, जिसे बेहद जल्द शुरू होकर धरातल पर उतरते देखा जा सकेगा। पप्पू यादव के पिता का 17 सितंबर को निधन हो गया था।

खेल मंत्री ने किया कल्याण बिगहा शूटिंग रेंज का दौरा, जल्द बनेगा 25 और 50 मीटर का आउटडोर रेंज

पटना। बिहार के खेल विभाग के मंत्री सुरेंद्र मेहता ने सोमवार शाम को पटना के कल्याण बिगहा स्थित इंडोर शूटिंग रेंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से मुलाकात कर परिचय लिया। साथ ही प्रशिक्षक कौशल नौगरैया से 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल, शूटिंग लेन और अन्य उपकरणों की जानकारी ली। मंत्री ने खुद राइफल और पिस्टल से 10 मीटर की शूटिंग का ट्रायल भी किया। मंत्री मेहता ने प्री-नेशनल प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली खिलाड़ी प्रीति और सिम्मी को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में आसनसोल में आयोजित प्री-नेशनल टूर्नामेंट में पदक विजेता रही हैं। प्रशिक्षक कौशल नौगरैया और ग्रामीण अवधेश नारायण सिंह ने मंत्री से आग्रह किया कि कल्याण बिगहा में 10 मीटर इंडोर शूटिंग रेंज तो है, लेकिन 25 और 50 मीटर के आउटडोर रेंज का अभाव है। इस वजह से खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए अन्य शहरों में जाना पड़ता है। उन्होंने अनुरोध किया कि 25 और 50 मीटर की शूटिंग रेंज की सुविधा जल्द उपलब्ध करवाई जाए, ताकि स्थानीय खिलाड़ी भी उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से अभ्यास कर सकें। प्रशिक्षक ने बताया कि कल्याण बिगहा के शूटिंग रेंज में प्रशिक्षित कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की है। इनमें से ऋषिकांत को राजस्थान पुलिस में एसआई, मनीष कुमार और अनामिका कुमारी को असम राइफल्स में नौकरी मिल चुकी है। इसके अलावा कई अन्य खिलाड़ी नेशनल प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए हैं। खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही कल्याण बिगहा में 25 और 50 मीटर का शूटिंग रेंज बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और राज्य खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। खेल विश्वविद्यालय और खेल अकादमी जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार आने वाले समय में खेलों के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने हर पंचायत में खेल का मैदान और स्पोर्ट्स क्लब बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अगर किसी पंचायत में जमीन उपलब्ध नहीं होती, तो सरकार जमीन का अधिग्रहण करेगी ताकि खेल सुविधाओं का विकास सुनिश्चित हो सके। खिलाड़ियों को ट्रैकशूट और आर्म्स लाइसेंस की मांग आसनसोल में ईस्ट जोन प्री-नेशनल टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए मंत्री ने ट्रैकशूट प्रदान किए। इस दौरान खिलाड़ियों ने आर्म्स लाइसेंस की मांग भी रखी। मौके पर निखिल राज, प्रीति कुमारी, सुमन, पीयूष, शिवम और प्रिंश समेत कई अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे।

फाउंडेशन मेकअप का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते है फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं।

फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिंजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है।

फाउंडेशन का चुनाव

फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

कैसे लगाएं

फाउंडेशन से न सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाया जाता है, बल्कि इससे चेहरे की बनावट में भी बदलाव लाया जा सकता है। मगर यह तभी संभव है, जब आप इसे लगाना जानती हों। फाउंडेशन सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन और कान के हिस्से पर भी एकसार लगाएं। अगर चेहरा गोल हो, तो उस पर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि फेस स्क्वायर या डायमंड शेप है, तो जबड़े और ठोड़ी पर गहरे रंग का फाउंडेशन तथा शेष चेहरे पर उससे हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि आंखों के नीचे की त्वचा का रंग हल्का है, तो यहां गहरे रंग का फाउंडेशन लगाना चाहिए। आंखों के नीचे काले निशान या झांइयां होने की स्थिति में वहां हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। चौड़ी नाक को पतला दिखाना हो, तो बाकी चेहरे की तुलना में नाक के दोनों ओर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। अगर गालों की हड्डियां उभरी हुई हों, तो उसके नीचे गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद चेहरे पर फेस-पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर फाउंडेशन के शेड का अथवा उससे एक शेड हल्का लगाना चाहिए। फाउंडेशन की तरह ही फेस पाउडर अनेक रंगों में उपलब्ध है। इसलिए इसका चुनाव त्वचा के रंग और फाउंडेशन के शेड के अनुसार ही करें।

नैचुरल है इसलिए खूबसूरत है

अगर बीते कुछ सालों की बात करें, तो स्वास्थ्य और सौंदर्य के क्षेत्र में हर्बल और ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति लोगों का रुझान काफी बढ़ा है। इसका कारण भी साफ है, ऐसे प्रोडक्ट्स का त्वचा पर किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होता। इसलिए यह स्किन फ्रेंडली भी है। एक सर्वे के अनुसार महिलाएं एक दिन में लगभग 12 तरह के कॉस्मेटिक्स यूज करती हैं, जिसमें लगभग 175 तरह के केमिकल होते हैं। इनके नियमित इस्तेमाल से त्वचा संबंधी कई समस्याएं होती हैं, क्योंकि जो भी कॉस्मेटिक्स हम इस्तेमाल करते हैं, उनमें से 68 फीसदी हिस्सा हमारी त्वचा सोख लेती है। ऐसे में साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए नैचुरल कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर विकल्प हैं। ये त्वचा की खूबसूरती को बढ़ाकर उसे जवां बनाए रखते हैं।

क्या है आर्गेनिक प्रोडक्ट

नैचुरल अथवा ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक्स उन्हें कहा जाता है, जिनके निर्माण में किसी भी तरह के केमिकल तत्व या गंध का उपयोग नहीं होता। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए इस तरह के कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर हैं। प्राकृतिक चीजों से बने होने के कारण ये कॉस्मेटिक्स प्राकृतिक गुणों और पौष्टिक तत्वों से भरपूर होते हैं।

प्राकृतिक चमक खोने लगी है

उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में प्राकृतिक उत्पाद त्वचा के प्राकृतिक तत्वों का क्षरण रोक त्वचा को चमकदार व लचीला बनाते हैं। ऐसे प्रोडक्ट से एलर्जी व रिएक्शन का खतरा कम होता है, क्योंकि प्राकृतिक उत्पादों से हमारी त्वचा और शरीर की केमिस्ट्री के बीच सामंजस्य बना रहता है।

लंबी-लंबी बात स्किन न कर दे खराब

अनचाहे मुंहासों से आपके चेहरे की खूबसूरती छिन जाती है। यही नहीं, ये जाते-जाते आपके चेहरे पर हमेशा के लिए निशान भी छोड़ जाते हैं। नेहा भी पिछले काफी समय से मुंहासों से परेशान थी। औरों की तरह वो भी सजना-संवरना चाहती थी, मगर मुंहासों की वजह से शोभा ऐसा नहीं कर पाती थी। घरेलू दवा से जब कोई फायदा नहीं मिला, तो नेहा ने स्किन के डॉक्टर से संपर्क किया। तब नेहा को पता चला कि उसके मुंहासों की वजह हारमोनल डिस्बैलेंस या खानपान नहीं है, बल्कि सेलफोन है। बेशक यह चौंकाने वाली बात है। पर शोधों की मानें, तो सेलफोन के लगातार इस्तेमाल से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

कैसे करता है स्किन को डैमेज

मोबाइल से कृत्रिम इलैक्ट्रो-मैग्नेटिक तरंगें (एईडब्ल्यू) निकलती हैं, जिससे त्वचा के टिश्यू गर्म हो जाते हैं। फिनलैंड के एक अध्ययन के अनुसार इससे त्वचा के प्रोटीन की संरचना खराब हो जाती हैं। इसके चलते त्वचा पर झुर्रियां नजर आने लगती है। जिससे असमय अधिक उम्र भी दिखने का अंदेशा भी जताया जा रहा है।

क्या है मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस

सेलफोन के टचस्क्रीन और की-पैड में ढेर सारे बैक्टीरिया होते हैं, जो पहले आपकी अंगुलियों पर, फिर चेहरे पर आ जाते हैं। ये धूलकण त्वचा के रोम छिद्रों को जाम कर देते हैं, जिसकी वजह से त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। हालांकि यह समस्या लंबे समय तक मोबाइल फोन पर लगे रहने के कारण ही उत्पन्न होती है। सेलफोन से होने वाली इस समस्या को 'मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस' कहते हैं, जो मोबाइल फोन के हैंडसेट में मौजूद निकेल की प्रतिकूल प्रतिक्रिया का परिणाम है।

खिचड़ी स्वाद भी, सेहत भी

खिचड़ी शीघ्र पचने वाला खाना है। ज्यादातर खिचड़ी दाल चावल की बनाई जाती है। लेकिन अगर इस खिचड़ी में सब्जियां डालकर बनाएं, तो यह खिचड़ी बड़ी ही जायकेदार हो जाती है और यह पहले से अधिक पौष्टिक भी हो जाती है। बनाना भी बहुत ही आसान। स्वादिष्ट भी और स्वास्थ्यवर्धक भी। तो आइये क्यों न आज तरह-तरह की खिचड़ी बनायें।

साबूदाना खिचड़ी

सामग्री

साबूदाना - 150 ग्राम, तेल या घी - 1.5 टेबल स्पून, हींग - 1 पिंच, जीरा - आधा छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कतरी हुई), मूंगफली के दाने - 1 टेबल स्पून,पनीर - 70 ग्राम (यदि आप चाहें), आलू - 1 मीडियम आकार का, अदरक - 1 इंच का टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), नमक - स्वादानुसार,कसा हुआ नारियल - 1 टेबल स्पून (यदि आप चाहें), हरा धनिया - 1 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

बनाने की विधि

साबूदाने को धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भीगने दीजिये। भीगने के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दीजिये। यदि आप बड़े साबूदाना प्रयोग कर रहे हैं तो इसे 1 घंटा भिगोने के बजाय लगभग 8 घंटे भिगोये रखें।आलू को छील कर धीइये और छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। पनीर को भी छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। भारी तले की कढ़ाई में घी डाल कर गरम कीजिये। आलू के क्यूब्स गरम घी में डाल कर हल्के ब्राउन होने तक तल कर निकाल कर प्लेट में रख लीजिये। आलू के क्यूब्स तलने के बाद पनीर के क्यूब्स डाल कर हल्के ब्राउन तल कर उसी प्लेट में निकाल कर रखिये। मूंगफली के दाने को मोटा चूरा कर लीजिये इसे दरदरा करें एकदम बारीक चूरा न करें बचे हुये गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा भुनने के बाद, हरी मिर्च और अदरक डाल दीजिये, और चमचे से मसाले को चलाइये, इस मसाले मे मूंगफली का चूरा डाल कर एक मिनिट तक भूनिये। अब साबूदाना, नमक और काली मिर्च डाल कर अच्छी तरह 2 मिनिट चमचे से चला कर भूनिये। 2 टेबल स्पून पानी डाल कर धीमी गैस पर 7-8 मिनिट तक पकाइये, ढक्कन खोलिये और देखिये कि साबूदाने नरम हो गये है। यदि नहीं हुये हैं, और आपको महसूस हो कि अभी साबूदाने पकने के लिए और पानी चाहिये, तब 1 या 2 टेबल स्पून पानी डाल कर 4-5 मिनिट धीमी गैस पर और पकने दीजिये। आलू और पनीर के क्यूब्स मिला दीजिये। और चलाकर कढ़ाई को गैस से उतार लीजिये साबूदाना की खिचड़ी को प्याले या प्लेट में निकालिये। हरा धनिया नारियल ऊपर से डाल कर सजाइये।

वेजिटेबिल खिचड़ी

सामग्री

चावल - एक कटोरी, मूंग की दाल - आधा कटोरी, आलू - 2 (छोटे टुकड़ो में कटे हुये), शिमला मिर्च - 1 (छोटे टुकड़ो में कटे हुये), मटर - आधा कटोरी (छिली हुई), हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), अदरक - 1 इंच लम्बा टूकड़ा (कद्दू कस कर लें), देशी घी - 1 या 2 (बड़े चम्मच, आपकी इच्छा के अनुसार), हींग - 1-2 पिंच, जीरा - आधा छोटा चम्मच, काली मिर्च - 4-6 (दरदरी कूट लीजिये), लौंग - 4 (दरदरी कूट लीजिये), हल्दी - 1/6, छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, हरा धनिया - एक टेबिल स्पून (कटा हुआ)

बनाने की विधि

चावल और दाल को साफ करें, और अच्छी तरह धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भिगो दें। सभी सब्जियां धो कर काट ली गयी हैं। कूकर में घी डाल कर गरम करें। अब गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा ब्राउन होने के बाद, काली मिर्च, लौंग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डाल दें। 3-4 बार चमचे से चलायें, अब इस मसाले में सारी सब्जियाँ डाल दीजिये। सब्जियों को 2-3 मिनिट चमचे से चला चला कर भुनिये। अब दाल और चावल डाल दें। 2-3 मिनट तक चमचे से चलाते हुये भूनें। जिस कटोरी से आपने दाल चावल नापे हैं, उसी से नाप कर पांच गुना पानी डाल दीजिये। (दाल चावल 1 1/2 कटोरी है, तो पानी 7 1/2 कटोरी डाल दीजिये) साथ ही स्वादानुसार नमक भी डाल दीजिये। कूकर बन्द कर दीजिये। जैसे ही एक सीटी आये, तुरन्त गैस बन्द कर दीजिये। कूकर की सीटी चमचे की सहायता से ऊपर करके, कूकर का प्रेसर आधा निकाल दीजिये। 4 - 5 मिनिट बाद जब कूकर का प्रेशर खतम हो जाय, कूकर खोलिये। आपकी वेजिटेबिल खिचड़ी तैयार हो चुकी है। खिचड़ी को बड़े बाउल में निकाल लें। हरा धनियां ऊपर से डालकर सजायें। गरमा गरम वेज खिचड़ी में मक्खन डाल कर परोसे और साथ में दही, अचार या हरे धनिये की चटनी भी रखें।

रवा खिचड़ी

सामग्री

250 ग्राम रवा (सूजी), 1 गाजर, 30 ग्राम फलिया, 50 ग्राम मटर, घी, 1 प्याज, 1 टमाटर, 1 नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, 5 हरी मिर्च, 5 ग्राम अदरक, 1 टी स्पून जीरा, 2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप हरा धनिया, 1 टी स्पून सरसों के दाने, 10 ग्राम उड़द और चने की दाल। कितने लोगों के लिए : 5

बनाने की विधि

एक पैन में तेल गरम करें जब तेल गरम हो जाए तो उसमें सरसों के दाने उड़द और चने की दाल डालकर फ्राई करें। जब दाल ब्राउन हो जाए तो उसमें बारीक कटा अदरक, जीरा और करी पत्ता डाल दें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च डाल दें जब प्याज और हरी मिर्च ब्राउन हो जाए तो इसमें टमाटर भी डाल दें। अब इसमें कटी हुई सब्जी डालकर फ्राई करें। रवा भी डाल दे और अच्छी तरह भून लें। नमक और 2 कप गरम पानी डालकर ढक्कन लगाकर पकने दें। 3 मिनट बाद ढक्कन हटाकर चलाये, घी, नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर गरमागरम रवा खिचड़ी सर्व करें।

बनाने की विधि

सर्व प्रथम चावल व मूंग मोगर को साफ करके 3-4 पानी से अच्छी तरह धोकर बनाने के आधे घंटे पूर्व तैयार कर लें। अब प्रेशर कुकर में दाल-चावल और आवश्यकतानुसार पानी डालें तथा नमक डालकर कुकर को बंद करके दो सिटी ले लें। कूकर ठंडा होने के पश?चात एक कटोरी में घी गरम करके जीरे का बघार लगाकर ऊपर से कटी हरी मिर्च और मीठा नीम डालकर तैयार खिचड़ी में बघार डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस तैयार खिचड़ी को मकर संक्राति के दिन खुद भी खाएं और घर आए मेहमानों को भी खिलाएं।

सामग्री

एक कटोरी सादे चावल, पाव कटोरी मूँग मोगर, 1 बड़ा चम्मच घी, 2-3 हरी मिर्च बारीक कटी, करी पत्ता 4-5, नमक स्वादानुसार,

नमकीन खिचड़ी

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उनमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है।

5 शेयर करेंगे मालामाल! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल। स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया है जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई: 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि.ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई: 543929, एनएसई: एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49% की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

इसलिए जरूरी है 'एक देश, एक चुनाव' का विचार

आर.के. सिन्हा

क्या बाकी देशों में भी 'एक देश, एक चुनाव' वाली व्यवस्था लागू है ? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में 'एक देश, एक चुनाव' वाली स्थिति है। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है।

'एक देश, एक चुनाव' का सपना अब तो साकार होता नजर आ रहा है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। मतलब यह कि अब देश में 'एक देश, एक चुनाव' की राह का सारा व्यवधान सारा सस्पेंस दूर हो गया है। पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने एक वक्तव्य में साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा। जैसे कि आपको ज्ञात ही होगा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 'एक देश, एक चुनाव' पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे। अब कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी राजनीतिक मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी। सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी। इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा। फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार-बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि 'एक देश, एक चुनाव' के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़े। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से शामिल किया था।

बेशक, एक साथ चुनाव कराने से चुनाव प्रक्रिया की चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, क्योंकि कई चुनावों के लिए बार-बार तैयारी और कार्यान्वयन करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्या आपको पता है कि कुछ माह पहले देश में हुए लोकसभा चुनाव में कितना खर्चा हुआ? 2024 के लोकसभा चुनाव पर 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब दोगुना से भी ज्यादा खर्चा आया। चुनावी खर्च पर रिपोर्ट जारी करने वाली गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने अनुमान लगाया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल खर्च 55 से 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस तरह देखा जाए तो इस बार दोगुने से भी ज्यादा पैसा चुनाव में खर्च किया गया है। अमेरिका ने भी साल 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। क्या आपको पता है कि 1951-52 में भारत के पहले चुनाव के दौरान महज 10.5 करोड़ रुपये था? चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया प्रचार पर खर्च किया जाता है। भारतीय राजनेता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए असाधारण और नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा। क्योंकि, सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर भी काम का दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि 'एक देश, एक चुनाव' से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने मनमाने ढंग से राष्ट्रपति शासन लगा दिया। इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। वैसे यह बात भी है कि अगर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इसके लिए मौजूदा संख्या से तीन गुना ज्यादा ईवीएम की जरूरत पड़ेगी। लेकिन, वह तो एक बार ही होने वाला खर्च होगा।

क्या बाकी देशों में भी 'एक देश, एक चुनाव' वाली व्यवस्था लागू है ? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में 'एक देश, एक चुनाव' वाली स्थिति है। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है। स्वीडन की संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव हर चार साल में एक साथ होते हैं। यहां तक कि नगरपालिका के चुनाव भी इन्हीं चुनावों के साथ होते हैं। वैसे तो कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के चुनाव हर चार साल में कराए जाते हैं, जिसके साथ कुछ ही प्रांत स्थानीय चुनाव को संघीय चुनाव के साथ कराते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए 'एक देश, एक चुनाव' का विचार बहुत ही उपयुक्त और आदर्श है। पर दिक्कत यह है कि हमारे विपक्षी दल इतने शानदार विचार को बिना सोचे समझे राजनीतिक स्वार्थ साधने के चक्कर में निंदा करने लगे हैं। उम्मीद कीजिए कि वे भी अंत में सरकार का ही साथ देंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

आस्था पर सियासत

तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आप संवैधानिक पद पर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भगवान को राजनीति से दूर रखा जाए। राजनीति और धर्म को मिलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नायडू ने दावा किया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू बनाने में इस्तेमाल किया गया घी शुद्ध होने की बजाय जानवरों की चर्बी से युक्त था। अदालत का सवाल है कि जांच जारी है तो रिपोर्ट आने से पहले आप मीडिया में क्यों गए। लड्डू का स्वाद खराब होने की श्रद्धालुओं की शिकायत की बात उठने पर राज्य सरकार से सवाल किया कि आप कह सकते हैं कि टेंडर गलत तरीके से दिया गया, मगर यह कहना कि मिलावटी घी प्रयोग किया गया, इसका सबूत कहां है। सबसे पहले आंध्र प्रदेश के सेशाचालम पर्वत पर स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के अधिकारी ने शुद्ध घी में वनस्पति तेल की मिलावट की बात उठाई। बाद में इसमें जानवरों की चर्बी होने की बात कर उन्होंने विवाद पैदा किया। नायडू सरकार द्वारा दावा किया गया कि प्रसाद में मछली का तेल और बीफ चर्बी का इस्तेमाल परीक्षण के नमूनों में पाया गया। हालांकि यह लड्डू मंदिर परिसर की गुप्त रसोई पोटू में बड़ी संख्या में तैयार किया जाता है। यही पवित्र लड्डू रोज हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के तौर पर पहले मुफ्त दिया जाता था, बाद में विभिन्न नियमों के साथ इसकी कीमत तय कर दी गई। यह बहुसंख्य देशवासियों की आस्था से जुड़ा मामला है। हालांकि तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने चंद्रबाबू पर राजनीति के लिए भगवान का प्रयोग करने और जनता का ध्यान सरकार के कामों से हटाने का आरोप लगाया। मंदिर की पवित्रता को ठेस लगाने वाली ये खबरें श्रद्धालुओं के लिए किसी सदमे से कम नहीं कही सकतीं। मगर जैसा शीर्ष अदालत ने कहा है कि धर्म को राजनीति से मिलाने की जरूरत नहीं है। आस्था-विश्वास के प्रति राजनीतिज्ञों को विशेष सतर्कता बरतनी सीखनी चाहिए। राजनीतिक लाभ के लोभ में धर्म का दुरुपयोगड्ड जनता को दिग्भ्रमित करने और समुदायों के दरम्यान दरारें डालने वालों पर सख्ती की जानी आवश्यक है। सनसनी फैलाने वाले दोषमुक्त नहीं हो सकते। यदि वास्तव में किसी भी तरह की मिलावट हुई हैड्ड तो आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं है। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सकें कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारकों की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

कर्म से ही जीवन की गतिशीलता

ओपी श्रीवास्तव

कर्म से जीवन में गति आती है, मानसिक और शारीरिक सक्रियता आती है। यह रजोगुण के लक्षण हैं। इस स्थिति में मनुष्य नई कामनाएँ करता है और उनकी पूर्ति के प्रयास करता है। इसमें जीवन के संघर्ष, द्वंद्व व तनावों से सामना होता है। यह अनुभव होता है कि कोई भी कामना पूर्ति कुछ समय तक ही सुख देती है फिर उसका स्थान नई कामना ले लेती है और फिर वही दुष्चक्र प्रारंभ हो जाता है। कई ऐसी कामनाएं होती हैं जो पूरे पुरुषार्थ से काम करने पर भी पूरी नहीं होतीं। तब मनुष्य को सृष्टि में अपनी तुच्छता और असमर्थता समझ में आती है और वह ईश्वर से सहयोग की प्रार्थना करता है। उसमें दूसरों को अपने जैसा समझने, उनका भला करने और सहयोग करने का भाव आता है। ऐसे कर्मों को गीता में यज्ञ कहा गया है। यह रजोगुण से सतोगुण में प्रवेश है। इस अवस्था में भगवान कहते हैं कि तुम मेरी ओर से, मेरे एजेंट के रूप में काम करो - निमित्तमात्रं भव सव्यसाचिन (11.33)। इसके बाद मनुष्य को अनुभव होता है कि वह निमित्त अवश्य है परंतु कर्ता भी स्वयं है। तब वह इससे भी मुक्ति चाहता है और जीवन का सारा भार भगवान पर छोड़ देता है झ सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज (18.66)। इस अवस्था में वह तीनों गुणों से परे हो जाता है और उसके सारे कर्म ईश्वर प्रेरणा से संचालित होने लगते हैं। अब वह कर्म करता नहीं है उसके माध्यम से कर्म होने लगते हैं। यह कर्मयोग की सर्वोच्च स्थिति है। इसी अवस्था को प्राप्त करने का विचार वेदों के अंतिम भाग 'उपनिषद' में किया गया है। यह संग्रह से त्याग तक की यात्रा है। जीवन के चार आश्रम भी इसी क्रम में बने हैं। पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य आश्रम में मेहनत करना, सेवा करना, विद्याध्ययन करना है। इसमें प्रकृति प्रदत्त तमस (आलस्य, अकर्मण्यता की स्वाभाविक प्रवृत्ति) समाप्त होती है। फिर 50 वर्ष की अवस्था तक गृहस्थ आश्रम में ज्ञान का व्यवहारिक उपयोग करना, संसार के उत्पादन में योगदान देना, धन संपत्ति अर्जित करके कामनाओं की पूर्ति करना है। यह रजोगुण की अवस्था है। फिर शुरू होती है वानप्रस्थ अवस्था जिसमें संसार से पृथक होने की तैयारी, समाज को अपने अनुभवों से मार्गदर्शन देना शामिल है। यह सतोगुण की अवस्था है। इसके बाद संन्यास आश्रम आता है जिसमें सब कुछ त्यागकर एकमात्र ईश्वर के लक्ष्य के लिए साधना करना है। यह तीनों गुणों से पार जाने की अवस्था है। गीता में भी भगवान ने अर्जुन से ऐसा ही आह्वान किया है - निस्त्रैगुण्यो भवार्जुन (2.45)। सारे वैदिक ग्रंथ इसी जीवनचर्या को अनुशंसित करते हैं। इसमें चमत्कारों और अंधविश्वासों के लिए कोई स्थान नहीं है। विवेकानन्द जी कहते थे कि लोग उनके पास साधु बनने के लिए आते थे तो वह उनसे पूछते थे कि तुम्हारे पास त्यागने के लिए अभी है क्या? न तो बलिष्ठ शरीर है, न धन है, न अहं है, फिर त्यागोगे क्या? वह कहते थे कि पहले कुछ अर्जित तो करो। पहले तमोगुण के पशुवत जीवन से निकलकर मनुष्य बनो तब तो साधु बनोगे। प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज के पास एक श्रद्धालु पीठ दर्द का इलाज पूछने गया तो उन्होंने कहा कि पीठ दर्द है तो डॉक्टर के पास जाओ, इसमें बाबा क्या करेगा? यही सत्यता है। पहले पुरुषार्थ से बल, धन, शक्ति की प्राप्ति, संग्रह और फिर श्रद्धा, जिज्ञासा और विवेक बुद्धि पर आधारित साधना से उनकी निरर्थकता की अनुभूति कर उनका लोक कल्याण के लिए त्याग। परंतु ज्ञान और तप से हीन, कुछ वाचाल कथावाचक अपना उल्लू सीधा करने के लिए श्रद्धालुओं को धर्म के प्रमाणित मार्ग से विचलित कर सीधे मोह माया के त्याग, चमत्कारों से सफलता की बात करके अकर्मण्य बना रहे हैं और अंधविश्वासों में उलझाए पड़े हैं। दुःख की बात यह है कि इनके कार्यक्रमों में लाखों लोग जा रहे हैं, कुछ टीवी चैनल धर्म के नाम पर चौबीसों घंटे इनकी ऊलजलूल बकवास को हिन्दुओं के मानस में भर रहे हैं। सनातनधर्म के मूल स्वरूप को बचाए रखने के लिए इस चुनौती का सामना करना आज के समय की आवश्यकता है।

निर्मला के दामन पर वसूली का आरोप...?

मुस्ताअली बोहरा

चुनावी बॉन्ड से जबरन वसूली,
- सीबीआई-ईडी के बेजा उपयोग

सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स सहित अन्य ऐसी ही एजेंसियों के बेजा इस्तेमाल या दुरुपयोग के आरोप केन्द्र सरकार पर लगते रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में और खासकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों के कुछ पहले ये एजेंसियां सक्रिय होकर अपने टारगेट को जद में लेते रहीं हैं। इन एजेंसियों का निशाना अकसर विपक्ष के नेता और ऐसे ही कतिपय कारपोरेट कंपनियों के धनकुबेर रहे हैं। इस मामले में कई बार गैरभाजपाई राजनीति पार्टियों ने आवाज भी उठाई लेकिन ये आवाज दबकर रह गई। जब भी सीबीआई, ईडी या ऐसी ही एजेंसियों के दुरुपयोग की बात सामने आई तो इसे सियासी आरोप कहकर खारिज कर दिया गया। लेकिन इलेक्टोरल बॉड के मामले और इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य खिलाफ शिकायत दर्ज होने से अब सीबीआई-ईडी आदि पर लगने वाले आरोप कुछ हद तक सच्चे लगने लगे हैं। बेंगलुरु में चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए नामित मैजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि, इलेक्टोरल बॉन्ड वसूली मामले में वित्त मंत्री निर्मला सीतारण को राहत मिल गई है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ मामले में जांच पर 22 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष नलीन कुमार कटील ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इलेक्टोरल बॉन्ड वसूली मामले में नलीन कुमार कटील सह-आरोपी हैं। इसी मामले में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को मुख्य आरोपी बनाया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने चुनावी बांड की आड़ में कुछ कंपनियों से जबरन वसूली की थी।

बेंगलुरू की एक विशेष लोक अदालत ने चुनावी बॉन्ड के जरिए उगाही की शिकायत पर सुनवाई करते हुए वित्त मंत्री सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह-अध्यक्ष आदर्श अय्यर की याचिका पर सुनवाई के बाद ये एफआईआर दर्ज की गई। इससे पहले मार्च में स्थानीय पुलिस को शिकायत दी थी जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। इस मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र, बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलीन कुमार कतील और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सीतारमण ने ईडी अधिकारियों की सहायता और समर्थन के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरों के लाभ के लिए हजारों करोड़ रुपये की जबरन वसूली की। उसने कहा कि चुनावी बॉन्ड की आड़ में पूरा जबरन वसूली का धंधा अलग-अलग स्तरों पर बीजेपी के अधिकारियों के साथ मिलकर चलाया गया।

कोर्ट को दी गई शिकायत में कहा गया है कि निर्मला सीतारमण ने ईडी के जरिए जेपी नड्डा और कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष नलीन कतील के लाभ के लिए हजारों करोड़ रुपये की उगाही करने में मदद की। निर्मला सीतारमण ने विभिन्न कॉरपोरेट्स, उनके सीईओ, एमडी आदि के यहां छापे मारने, जब्ती करने और गिरफ्तारियां करने के लिए ईडी की सेवाएं लीं। ईडी की छापेमारी के डर से कई कॉरपोरेट कंपनियों, उनके सीईओ, एमडी आदि के यहां छापेमारी, जब्ती और गिरफ्तारी का डर दिखाकर कई करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदने के लिए मजबूर किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों और संवैधानिक पदों पर बैठे कई अन्य लोगों, एमएनसी और टीएनसी कॉर्पोरेट कंपनियों के सीईओ और एमडी के साथ मिलकर चुनावी बांड की आड़ में जबरन वसूली की। शिकायत में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूलने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में एल्युमिनियम और कॉपर की दिग्गज कंपनी मेसर्स स्टरलाइट एंड मेसर्स वेदांता कंपनी का उदाहरण दिया गया है, जिन्होंने अप्रैल 2019, अगस्त 2022 और नवंबर 2023 के बीच 230.15 करोड़ रुपये इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए दिए। वहीं मेसर्स ऑरोबिंदो फार्मा ग्रुप ऑफ कंपनीज ने 5 जनवरी 2023, 2 जुलाई 2022, 15 नवंबर 2022 और 8 नवंबर 2023 के बीच 49.5 करोड़ रुपये दिए। ये शिकायत सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत दर्ज कराई गई है। जुर्माने और जुर्माने रहित सात साल से कम की कैद की सजा वाले अपराध के लिए अतिरिक्त चीफ ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट, बेंगलुरु का कोर्ट निर्धारित है। इन अपराधों के लिए आईपीसी की धारा 384 (जबरन वसूली), 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ आईपीसी की धारा 34 (एक मकसद के लिए कई लोगों की एकसाथ मिलकर की गई कार्रवाई) के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

फरवरी में सर्वोच्च अदालत ने चुनावी बॉन्ड योजना को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह संविधान के तहत सूचना के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक और स्पष्ट रूप से मनमानीझ करार देते हुए 15 फरवरी को एसबीआई को निर्देश दिया था कि वह 12 अप्रैल, 2019 से खरीदे गए बॉण्ड का पूरा विवरण निर्वाचन आयोग को सौंपे। न्यायालय ने आयोग को संबंधित विवरण 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया था। इस मामले में वित्त मंत्री सीतारमण को मुख्य आरोपी बनाया गया है। वहीं ईडी के अधिकारियों को दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है, इसके अलावा तीसरे आरोपी केंद्रीय कार्यालय के पदाधिकारी हैं। एफआईआर में चौथे नंबर पर कर्नाटक बीजेपी के पूर्व सांसद नलिन कुमार कतील का नाम है। बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र भी मामले में पांचवें आरोपी हैं। छठे आरोपी के तौर पर प्रदेश बीजेपी पदाधिकारियों का नाम हैं। कुल मिलाकर, मामला अब न्यायालय में है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भले ही दर्ज एफआईआर पर आगे की जांच के लिए रोक लगा दी हो लेकिन अब सियासत तेज हो गई है। मामला सीधे वित्त मंत्री से जुड़ा है और आरोपों की जद में सीबीआई-ईडी भी है लिहाजा विपक्षी दलों को केन्द्र सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। विपक्षी पार्टियों के आक्रमण की तलवार की धार जो कुछ कुंद हो गई थी वो इस मामले से धारदार तो हो ही जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ सहयोग को बताया चैलेंजिग

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अपने पुनर्मिलन की घोषणा की। अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के लिए टीम बनाई है। उनके सहयोग ने सिनेप्रेमियों को काफी उत्साहित कर दिया है और वे इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय के साथ हेरा फेरी, भूल भुलैया, भागम भाग, दे दना दन और गरम मसाला जैसी फिल्मों में काम कर चुके प्रियदर्शन ने कहा कि वे 14 साल बाद एक साथ आए हैं और अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं, लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। आईफा अवार्ड्स 2024 के ग्रीन कार्पेट पर अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान, प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ फिर से जुड़ने के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह दर्शकों की उम्मीदों को प्रबंधित नहीं कर सकते। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने उनके साथ जो भी फिल्म बनाई वह सुपरहिट रही है। लोग कहते हैं कि अक्षय कॉमेडी करते हैं इसका कारण आप हैं, लेकिन मैं उन सब चीजों पर विश्वास नहीं करता। प्रियदर्शन ने आगे कहा, मैंने जो किया वह (स्क्रीन पर) उनकी हास्य की भावना का फायदा उठाना था। हम 14 साल बाद काम कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि चीजें काम करेंगी। यह एक चुनौती है। हम दर्शकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खा सकते लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।

अक्षय किस तरह के अभिनेता हैं, इस बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि अमिताभ बच्चन के बाद अक्षय ऐसे अभिनेता हैं जो समर्पित हैं और समय पर काम करते हैं। प्रियदर्शन ने भूल भुलैया के पहले भाग का निर्देशन किया था जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन ने अभिनय किया था। भूल भुलैया 3 की आगामी रिलीज पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रियदर्शन ने कहा कि अनीस बज्मी ने भूल भुलैया के दूसरे भाग के साथ अच्छा काम किया था और उन्हें लगता है कि वह तीसरे भाग के साथ भी ऐसा ही करेंगे। प्रियदर्शन भूल भुलैया के सीक्वल भागों का निर्देशन करने के लिए वापस नहीं लौटे क्योंकि फिल्म निर्माता अपनी फिल्मों के सीक्वल का निर्देशन करने में विश्वास नहीं करते हैं।

नेपोटिज्म के चलते कई फिल्मों से हाथ धो बैठे ये सितारे

बॉलीवुड इंडस्ट्री में तमाम कलाकारों ने नेपोटिज्म का सामना किया है। दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद इस विषय पर हर उस कलाकार ने बात की थी, जो इसका शिकार हुए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई खानदान वर्षों से राज करते हुए आए हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के बाहर के सितारों को अपनी जगह बनाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। रकुल ने हाल ही में नेपोटिज्म के बारे में बात की। रकुल ने यह खुलासा किया कि स्टारकिड्स के चलते उनके हाथों से भी कई फिल्में छीन ली गई हैं। हालांकि, रकुल इस बात से उदास नहीं होती। उन्होंने कहा कि भले ही फिल्में नहीं मिली, लेकिन इससे उनके मन में कड़वाहट पैदा नहीं होती, बल्कि वह सोचती हैं कि ये फिल्में उनके लिए नहीं थीं।

प्रियंका चोपड़ा

इस लिस्ट में अगला नाम आता है प्रियंका चोपड़ा का। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर चुकी अभिनेत्री नेपोटिज्म और इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति पर खुलकर बात कर चुकी हैं। अभिनेत्री के लिए हॉलीवुड का रुख करने का कारण नेपोटिज्म भी था। दरअसल, बॉलीवुड में उन्हें नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा था। उन्होंने बताया कि किस तरह से बॉलीवुड में उन्हें अलग थलग कर दिया था। उन्हें निर्देशक और निर्माताओं ने फिल्मों में काम देना बंद कर दिया था, जिसके चलते वह काफी परेशान हो गई थीं।

तापसी पन्नू

इस लिस्ट में अगला नाम आता है अभिनेत्री तापसी पन्नू का। साउथ इंडस्ट्री में अभिनय का दम दिखाने के बाद तापसी आज बॉलीवुड में भी राज कर रही हैं। हालांकि, उन्हें भी अपने करियर के दौरान नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा है। एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने बताया था कि उन्हें रातों-रात एक फिल्म से बाहर कर दिया गया था। इस फिल्म में बाद में एक स्टार किड को कास्ट किया गया था।

कृति सेनन

बॉलीवुड की हॉट अभिनेत्री कृति सेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। कृति अब बॉलीवुड में अपने कदम जमा चुकी हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स भी लॉन्च किया है। कृति ने बॉलीवुड में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने इंडस्ट्री में तमाम फिल्मों में काम किया है।

सुशांत सिंह राजपूत

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत एक बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने नेपोटिज्म का कई बार सामना किया था। कई बार सीधे तौर पर अभिनेता ने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें नेपोटिज्म का सामना करना पड़ा है। कई बार उनके हाथ से अच्छी फिल्में निकल गई हैं। उनकी मौत के बाद इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया था, जिसके बाद तमाम सेलेब्स ने इंडस्ट्री में हो रहे भेदभाव का खुलासा किया था।

राजकुमार राव

राजकुमार राव आज बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता माने जाते हैं। उन्होंने अपनी नेचुरल एक्टिंग से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता। हालांकि, करियर के शुरुआत में उन्हें अपनी पहचान और नाम बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान वह कई बार नेपोटिज्म का भी शिकार हुए और कई फिल्मों से बाहर निकाले गए।

आईफा उत्सवम में अवार्ड पाने वाली मृणाल ठाकुर ने कहा, यह मेरी पूरी टीम की जीत है

हाय नन्ना, लस्ट स्टोरीज 2, सीता रामम और कई अन्य फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर आईफा उत्सवम में पुरस्कार जीतने पर बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने हिट फिल्म 'हाय नन्ना' में यशना की भूमिका के लिए आईफा में ट्रॉफी जीती है। मृणाल ने कहा, मैं इस अवॉर्ड के लिए बहुत आभारी हूं। मेरे लिए यशना की भूमिका निभाना वास्तव में एक खास अनुभव था, जिसने मुझे प्यार और भावना की गहराई के बारे में जानने का मौका दिया। मैं अपनी इस सफलता का सारा श्रेय अपने निर्देशक, प्रतिभाशाली सह-कलाकारों और पूरी टीम को देती हूं। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है। यह हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल है।

उन्होंने आगे कहा, मैं इस सफर को जारी रखते हुए दर्शकों के साथ और भी बेहतर कहानियां शेयर करने के लिए तैयार हूं। यह मेरा पहला आईफा अवार्ड है। इस अवॉर्ड को रानी मैम और ऐश्वर्या मैम जैसे कलाकारों के साथ शेयर करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मृणाल के दिल को छू लेने वाले अभिनय ने उनके प्रशंसकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। जटिल किरदारों में अच्छे से फिट होने की उनकी क्षमता ने उन्हें इंडस्ट्री की खास अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। मृणाल की आने वाली फिल्मों पर एक नजर डालें तो वह बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। उनके पास 'पूजा मेरी जान' और वरुण धवन के साथ डेविड धवन की एक कॉमेडी फिल्म भी पाइपलाइन में है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन से लौट कर सैयामी ने हैदराबाद में शुरू की फिल्म की शूटिंग

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने सनी देओल के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वह हाल ही में आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेकर जर्मनी से लौटी हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हो पाया है। फिल्म में वह सनी देओल के साथ नजर आएंगी। सैयामी खेल के प्रति अपने जुनून और अपने काम के बीच संतुलन बना रही हैं। काम पर वापसी के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा, आयरन मैन 70.3 को पूरा करना मेरा लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया, इस रेस में भाग लेकर अब मैं तरोताजा महसूस कर रही हूं और अब मैं उसी ऊर्जा को सेट पर वापस ला रही हूं। सनी सर के साथ काम करना विशेष अनुभव प्राप्त करने जैसा है। मैं हैदराबाद में टीम के साथ इस यात्रा को जारी रखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सैयामी को हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर स्ट्रीमिंग हुई मूवी 'शर्माजी की बेटी' में देखा गया था। इस फिल्म में वह साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता, परवीन डबास और शारिब हाशमी के साथ नजर आई थीं। यह फिल्म 28 जून, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।

मैंने उनके लेवल को भी नहीं छुआ है, आलिया से तुलना किए जाने पर बोलीं अनन्या

अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री जोरो-शोरों से इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। अनन्या की यह फिल्म एआई पर बनी है, अब हाल ही में अनन्या से आलिया को लेकर एक सवाल पूछा गया, जिसके जवाब को लेकर उनकी खूब सहाना हो रही है। फिल्मीज्ञान के साथ एक साक्षात्कार में अनन्या ने पूछा गया कि लोग उनकी आलिया के साथ तुलना करते हैं, इस पर वह क्या सोचती हैं। इसके जवाब में अनन्या ने कहा कि यह एक बड़ा कॉम्प्लीमेंट है, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि मैंने आज तक वह लेवल भी छुआ है, जो आलिया ने आज तक किया है। अनन्या के इस जवाब की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

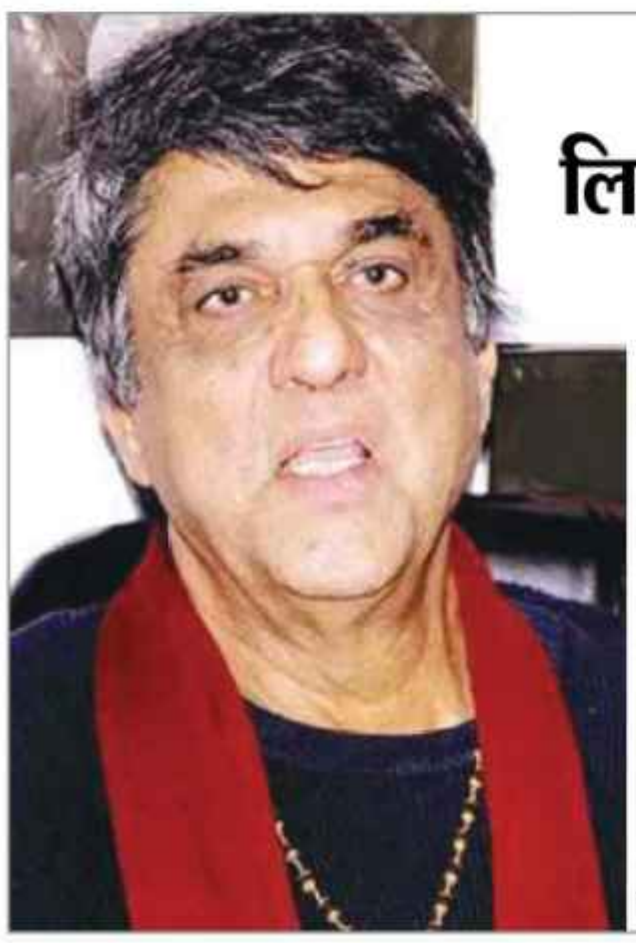

शक्तिमान की कास्टिंग के लिए तीन घंटे तक मुकेश खन्ना को मनाते रहे रणवीर सिंह

अभिनेता मुकेश खन्ना अपने बेबाक बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेता शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं करते हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि फिल्म में शक्तिमान का किरदार रणवीर सिंह निभाएंगे, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर को इस किरदार में कास्ट करने को लेकर भड़क गए थे और इस खबर का पूरी तरह से खंडन भी कर दिया था। अब अभिनेता ने बताया है कि रणवीर सिंह ने उन्हें शक्तिमान की कास्टिंग स्वीकार करने के लिए तीन घंटे तक मनाया था। हालांकि, इसके बाद भी वह नहीं माने थे।

शक्तिमान का रोल करना चाहते थे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने पर सोशल मीडिया पर अपनी असहमति जताने के बाद मुकेश खन्ना ने अब बताया है कि रणवीर ने उन्हें कास्टिंग स्वीकार करने के लिए मनाने के लिए पर्सनली उनसे मुलाकात की थी। हालांकि, मुकेश ने रणवीर को साफ बता दिया था कि शक्तिमान के किरदार के लिए अभिनेता में जो क्वालिटी होनी चाहिए, वह रणवीर सिंह में नहीं थी। अब हाल ही में बॉलीवुड ठिकाना से बात करते हुए मुकेश ने कहा, अब लोगों को पता चल गया है कि रणवीर सिंह मुझे शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए मनाने आए थे। मैं इसे छिपा भी नहीं सकता क्योंकि बाद में लोगों ने कहा कि मैंने रणवीर की तारीफ की और उन्हें एक बेहतरीन अभिनेता कहा। रणवीर के शक्तिमान की भूमिका निभाने की पुष्टि होने की खबरें आने लगीं, लेकिन मैंने इसके लिए हामी नहीं भरी थी।

मुकेश खन्ना ने नहीं दी मंजूरी

अभिनेता ने आगे कहा, मेरा सोनी के साथ भी टकराव है और मैंने एक वीडियो डालकर बताया था कि मैंने रणवीर को भूमिका निभाने की मंजूरी नहीं दी है और इसका कारण यह है कि...रणवीर उस दिन मेरे सामने तीन घंटे तक बैठा रहा, लेकिन आखिरकार मुझे उन्हें बताना पड़ा कि उसके चेहरे पर जो दिखना चाहिए था, वह नहीं था। वह चंचल लग रहा है, जैसे कोई दूसरों को धोखा दे सकता है। लेकिन वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। जब मैंने उनकी तारीफ की तो मैंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में उसके जैसी एनर्जी किसी और में नहीं है, लेकिन मैंने उन्हें इस भूमिका के लिए मंजूरी नहीं दी। उन्हें बुरा लगा होगा। हालांकि, इंडस्ट्री में यह निर्माता ही होता है जो अभिनेता को कास्ट करता है, न कि कोई और। वह फोटोशूट एक बहुत बड़ी वजह थी, जिसकी वजह से मैं खफा था। जब मैंने वह फोटोशूट देखा, तो मैंने कहा, क्या कर रहा है यार।

जब तक निकाह नहीं होगा, अपना रिलेशनशिप पब्लिक नहीं करेंगी सना

सना सुल्तान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद से सना काफी लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में सना से उनकी लव लाइफ के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि शादी से पहले वह अपने रिलेशनशिप का खुलासा नहीं करेंगी। अभिनेत्री ने आगे हिंट देते हुए कहा कि वह किसी के साथ रिश्ते में तो हैं, लेकिन वह इस इंडस्ट्री से नहीं है। इसके साथ ही सना ने बताया कि आज कल रिश्ते ज्यादा इसलिए टूटते हैं क्योंकि जो चीज लोगों को बाद में करनी वह पहले ही कर लेते हैं।

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचे बुमराह

-यशस्वी बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान जबकि विराट छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। बुमराह को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। आईसीसी के अनुसार दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद बुमराह पहले नंबर पर चल रहे आर अश्विन से एक अंक आगे निकलकर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अश्विन ने दूसरे टेस्ट में 5 विकेट लिए और वह बुमराह की 870 अंकों की रेटिंग से केवल एक अंक पीछे है जबकि बांग्लादेश को मेहदी हसन अपनी अच्छी गेंदबाजी से चार स्थान ऊपर आकर 18वें स्थान पर और अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन पांच स्थान के लाभ के साथ ही 28वें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 18 विकेट लेकर एक पायदान ऊपर आकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पहले और दूसरे नंबर पर है, वहीं भारत के ही विराट कोहली की भी शीर्ष दस में वापसी हुई है। विराट छह स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गये हैं।

बांग्लादेश पर जीत की बदौलत भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में शीर्ष पर और आगे बढ़ गया है और लगातार तीसरे फाइनल में जगह बनाने की स्थिति में है। सलामी बल्लेबाज जायसवाल को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित टेस्ट के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपडेट की गई टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। ??उन्होंने इस मुकाबले में 72 और 51 रन बनाए। इसका मतलब यह है कि टेस्ट बल्लेबाजों की अपडेट की गई रैंकिंग मे

श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस पांच स्थान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए है। वहीं श्रीलंका के ही दिनेश चांदीमल छह स्थान के लाभ के साथ 20वें स्थान पर और एंजेलो मैथ्यूज चार स्थान के सुधार के साथ 23वें स्थान पर है। वहीं सीमित ओवरों में

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद एक स्थान के फायदे से वनडे बल्लेबाजों की सूची में 20वें स्थान पर पहुंच गए है। इंग्लैंड के जोड़ीदार हैरी ब्रूक 73 स्थान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर और बेन डकेट 30 स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान परपहुंच गए है।

भारत में पहली बार होगा खो-खो विश्व कप, 24 देश लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अगले साल खो-खो विश्व कप का आयोजन किया जायेगा जिसमें छह महाद्वीपों के 24 देश हिस्सा लेंगे। भारतीय खो-खो महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन के सहयोग से 2025 में भारत में पहले खो खो विश्वकप के आयोजन का ऐलान किया है जिसमें छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे। इसमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें भाग लेंगी। खो-खो की जड़ें भारत में हैं। आज, यह खेल जो मिट्टी से शुरू हुआ और मैट पर आ गया है और दुनिया भर में 54 देशों के साथ वैश्विक उपस्थिति बना चुका है।

विश्व कप से पहले खेल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ 10 शहरों के 200 एलीट स्कूलों में खेल को ले जाने की योजना बना रहा है। महासंघ स्कूली छात्रों के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व कप से पहले कम से कम 50 लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना है। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'हम पहले खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

यह टूर्नामेंट सिर्फ प्रतिस्पर्धा की मिसाल नहीं बनेगा बल्कि यह देशों को एक साथ लाने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और दुनिया को खो-खो की सुंदरता और तीव्रता दिखाने का काम करेगा। हमारा अंतिम लक्ष्य 2032 तक खो-खो को ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता दिलाना है और यह विश्व कप उस सपने की ओर पहला कदम है।' इस टूर्नामेंट में एक हफ्ते तक चलने वाले मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें दुनिया भर के शीर्ष-स्तरीय एथलीट अपने कौशल, चपलता और टीमवर्क का प्रदर्शन करेंगे।

इस बीच, खो-खो विश्व कप का उद्देश्य इस स्वदेशी भारतीय खेल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचाना है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेजबानी करके, केकेएफआई 2032 संस्करण तक ओलंपिक खेलों में खो-खो की जगह सुरक्षित करने की इच्छा रखता है, जो खेल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

टिम साउथी ने दिया इस्तीफा, भारत दौरे पर इसे मिली न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की कप्तानी

वेलिंगटन (एजेंसी)। अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी ने न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम लाथम भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान टीम की कप्तान संभालेंगे। यह फैसला गॉल में श्रीलंका के खिलाफ कीवी टीम की 2-0 की हार के बाद आया है जिसमें से एक मैच में पारी और 154 रनों के बड़े अंतर से हार भी मिली।

आईसीसी के अनुसार साउथी न्यूजीलैंड को टेस्ट टीम के प्रभारी है। जब से केन विलियमसन ने 2022 के अंत में पद छोड़ा है, उन्होंने 14 टेस्ट मैचों में से छह में जीत और दो ड्रॉ के साथ टीम की कप्तानी की है। 35 वर्षीय ने कहा कि पद छोड़ने का फैसला टीम के सर्वोत्तम हित में था और वह नए कप्तान के रूप में लाथम का समर्थन करेंगे।

आईसीसी के हवाले से साउथी ने कहा, 'मेरे लिए बहुत खास फॉर्मेट में ब्लैक कैप्स की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैंने अपने पूरे करियर में हमेशा टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश की है और मेरा मानना है कि यह फैसला टीम के लिए सबसे अच्छा है। मेरा मानना है कि मैं टीम की बेहतर सेवा मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करके और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके, विकेट लेना जारी रखकर और न्यूजीलैंड को टेस्ट मैच जीतने में मदद करके कर सकता हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा की तरह अपने साथियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने वाले रोमांचक युवा गेंदबाजों का समर्थन करना जारी रखूंगा। मैं टीम को इस भूमिका के लिए शुभकामनाएं देता हूं और वह जानता है कि मैं उसकी यात्रा में उसका साथ देने के लिए हमेशा मौजूद रहूंगा, जैसा कि उसने पिछले कई सालों में मेरे लिए किया है।'

पीएम नरेंद्र मोदी से मिले दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल ने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बुधवार को इंस्टाग्राम पर गेल ने होलनेस की यात्रा के दौरान पीएम मोदी और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों से हाथ मिलाते और उनसे मुलाकात करते हुए वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं।

गेल ने ट्वीट किया, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जमैका टू इंडिया वनलव।' जमैका के प्रधानमंत्री 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। यह उनकी पहली भारत यात्रा है और जमैका के किसी प्रधानमंत्री की भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा भी है। जमैका के प्रधानमंत्री ने मंगलवार एक अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी में हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और द्विपक्षीय बैठक की। द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। भारत और जमैका के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं, जो उनके साझा औपनिवेशिक अतीत, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के मूल्यों और क्रिकेट के प्रति जुनून में परिलक्षित होते हैं। गेल जमैका और पूरे कैरिबियन से भारत में खेल के सबसे बड़े एम्बेसडरों में से एक हैं। 1999-2021 के बीच 42 शतक और 105 अर्द्धशतक के साथ खेल में निरंतरता और बदलते समय के साथ अनुकूलन करने की क्षमता ने गेल को लोकप्रिय बनाया। अपने करियर के दूसरे भाग में गेल मुख्य रूप से अपने टी20 कारनामों के लिए प्रसिद्ध हो गए जिसमें उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन के साथ प्रारूप के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए, जिसमें 455 पारियों में 22 शतक और 88 अर्द्धशतक शामिल थे। उनके पास टी20 में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 175* भी है।

महिला टी20 विश्व कप : भारत ने गेंदबाजी के दम पर जीता वार्म अप मैच, द. अफ्रीका को हराया

खेल डेस्क । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 की राह में दक्षिण अफ्रीका को वार्मअप मैच में हरा दिया है। दुबई की आईसीसी अकादमी ग्राऊंड में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने खराब शुरूआत के बावजूद ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा की उत्कृष्ट पारियों की बदौलत 7 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम ने जैसे ही ओपनर्स को गंवाया, टीम रन रेट का पीछे करने से पिछड़ गई। अंत में एनेरी डर्कसन 21 रन बनाकर नाबाद रही लेकिन तब तक ओवर पूरी हो चुके थे। इस तरह दक्षिण अफ्रीका को 28 रन से हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही। शैफाली वर्मा 0 पर ही आऊट हो गई। इसके बाद स्मृति मंधाना ने 22 गेंदों पर 21 तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 11 गेंदों पर 10 रन बनाए। मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्ज ने एक छोर संभाल लिया। उन्हें ऋचा घोष का बाखूबी साथ मिला। जेमिमा ने 26 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इसके बाद ऋचा का साथ दीप्ति शर्मा ने दिया। ऋचा जहां 25 गेंदों पर दो चौके और 2 छक्कों की मददसे 36 रन बनाए। इसके बाद दीप्ति ने 29 गेंदों पर 35 रन बनाकर स्कोर 144 तक पहुचा दिया। साऊथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने 25 रन देकर 5 विकेट लीं। दक्षिण अफ्रीका ने 145 रन का लक्ष्य मिलते ही तॉरा और तजमीन ब्रिट्ज की बदौलत अच्छी शुरूआत की थी। कप्तान तॉरा ने 26 गेंदों पर 29 रन तो ब्रिट्ज ने 25 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने अनीका 3 और सुन लुस 3 का जल्द विकेट गंवा दिया। मध्यक्रम में चोत ने एक छोर संभाला लेकिन उन्हें दूसरे छोर से खास सहारा नहीं मिला। वह 20 गेंदों पर 24 रन बनाकर आऊट हो गई। इसके बाद एनेरी डर्कसन ने 16 गेंदों पर 21 रन जरूर बनाए लेकिन तब तक देरी हो चुकी थी।

सुमित नागल शंघाई मास्टर्स के पहले दौर में बाहर

शंघाई। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल का खराब प्रदर्शन शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में भी जारी रहा जहां उन्हें बुधवार को यहां पहले दौर में ही सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। यह 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी चीन के वु यिबिंग के सामने खास चुनौती पेश नहीं कर पाया और 6-3, 6-3 से हारने के कारण उनका अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया। नागल अगस्त में अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल में पहले दौर में नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर से हारकर बाहर हो गए थे। अमेरिकी ओपन के बाद वह पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रहे थे। नागल हाल में स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में नहीं खेले थे जिसके कारण अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के साथ उनका विवाद हो गया था। नागल पिछले कुछ समय से पीठ की चोट से जूझ रहे हैं।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नये नियम से धोनी को होगा करोड़ों का नुकसान

मुम्बई । आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नीयमों में बदलाव से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को करोड़ों का नुकसान हो सकता है। अब आईपीएल की अगली नीलामी में उन खिलाड़ियों को अनकैप्ड की लिस्ट में रखा जाएगा जिन्होंने 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और जिनके पास बीसीसीआई अनुबंध नहीं है। धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और उनके पास बीसीसीआई का अनुबंध भी नहीं है हालांकि नियमों के अनुसार वह 2025 आईपीएल खेलने के पात्र हैं। धोनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2019 में खेला था। धोनी ने आईपीएल 2024 सीजन की शुरुआत से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. उन्हें तब सीएसके ने 12 करोड़ में रिटेन किया था। वही अब अगर सीएसके धोनी को बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन करती है तब उनके वेतन में करोड़ों की कमी करनी पड़ेगी। नए नियम के तहत अनकैप्ड खिलाड़ियों को 4 करोड़ रुपए में रिटेन किया जाएगा। ऐसे में धोनी को करीब 66.67 प्रतिशत का घाटा होगा। आईपीएल में हमेशा से ऐसा रहा है कि मेगा नीलामी में हर बार विदेशी और भारतीय प्लेयर रिटेन करने की सीमा तय होती थी पर इस बार विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन करने की कोई सीमा नहीं है। फ्रेंचाइजी चाहें तो पांचों भारतीय या पांचों विदेशी प्लेयर्स को भी रिटेन कर सकती हैं।

टी20 महिला विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम : मंधाना

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम गुरुवार से शुरू हो रहे टी20 महिला विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। मंधाना ने माना कि यहां की तेज गर्मी से खिलाड़ियों को परेशानी होगी पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के दौरान इस प्रकार के बहाने नहीं बनाये जा सकते। आपको हर प्रकार के हालातों में खेलने के लिए तैयार रहना होता है। भारतीय टीम अपना पहला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 अक्टूबर को खेलेगी। इसके बाद, टीम 6 अक्टूबर को उसे पाकिस्तान से खेलना है।

स्मृति ने कहा, दोपहर का मैच गर्मी के कारण चुनौतीपूर्ण होने वाला है पर जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो कोई बहाना नहीं होता है। आपको अच्छी तरह से तैयारी करनी होती है, और मुझे लगता है कि हमारे पास हालातों के अनुकूल तैयारी करने के लिए थोड़ा समय है। मुझे भरोसा है कि जब तक हम पाक का मुकाबला करेंगे तब तक मानसिक रूप से तैयार हो जाएंगे। हमें मजबूत बने रहने की जरूरत है। हम अन्य टीमों की तुलना में कुछ हद तक गर्मी के आदी है पर अभ्यास के पहले कुछ दिन यहां काफी थकान भरे रहे। तैयारी हालांकि अच्छी रही है और यहां आने से पहले हमने बेंगलुरु में एक शानदार कैंप लगाया था, जहां हमने सभी बातों पर ध्यान दिया था।

महिला क्रिकेट में भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता को लेकर कहा, मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी और चीज से ज्यादा प्रशंसकों की भावनाओं से जुड़ा है। ऐसा नहीं है कि खिलाड़ी एक-दूसरे से बात नहीं करते, वह दोनों देशों की भावनाएं हैं जो इसे इतना रोमांचक बनाती हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ है।

विश्व शतरंज रैंकिंग : अर्जुन , गुकेश और दिव्या नें बिखेरी चमक

नई दिल्ली । विश्व शतरंज संघ नें आज अक्टूबर माह की रेटिंग जारी कर दी है और 45वें शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के खिलाड़ियों की रैंकिंग में इसका असर साफ दिखाई दे रहा है । भारत के लिए पुरुष वर्ग में अर्जुन एरीगैसी ओरु डी गुकेश नें और महिला वर्ग में दिव्या देशमुख नें अपने खेल जीवन की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग हासिल कर ली है । पुरुष वर्ग में नॉर्वे के 34 वर्षीय मैगनस कार्लसन 2831 रेटिंग के साथ पहले और यूएसए के 37 वर्षीय हिकारु नाकामुरा 2802 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है । वही तीसरे स्थान पर 2797 रेटिंग अंको के साथ भारत के 21 वर्षीय अर्जुन एरिगासी नें जगह बना ली है उन्होंने यूएसए के फबियानों करूआना को 2796 अंको के साथ चौथे स्थान पर पहुचा दिया है , वही अगले माह विश्व शतरंज चैंपियनशिप खेलने जा रहे भारत के 18 वर्षीय डी गुकेश नें भी 2794 अंको के साथ अपने खेल जीवन में पहली बार शीर्ष 5 में जगह बना ली है , अन्य भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद 2751 अंको के साथ 11वें , 2746 रेटिंग एक साथ प्रज्ञानन्दा 12वें , 2726 रेटिंग के साथ विदित 26वें, 2698 रेटिंग के साथ अरविंद चितांबरम 33वें और 2688 रेटिंग के साथ पेंटाला हरीकृष्णा 42वें स्थान पर है । महिला वर्ग में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में तो कोई खास बदलाव नहीं आया है पर शतरंज ओलंपियाड में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत के दिव्या देशमुख 2501 रेटिंग के साथ पहली बार 2500 रेटिंग पर और विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुँच गयी है , 2530 अंको के साथ अभी भी कोनेरु हम्पी दुनिया की छठे और भारत की शीर्ष खिलाड़ी बनी हुई है । 2493 अंको के साथ हरिका द्रोणावली 14वें ,2487 अंको के साथ आर वैशाली 15वें , 2396 अंको के साथ तानिया 54वें और 2392 अंको के साथ वैशाली 58वें स्थान पर है । टीम रैंकिंग में भारत नें महिला पुरुष और मिक्स वर्ग में अपना दूसरा स्थान कायम रखा है , पुरुष वर्ग में यूएसए 2730 अंक , भारत 2717 अंक और चीन 2678 अंको के साथ शीर्ष टीम में है जबकि महिला वर्ग में चीन 2486 अंक, भारत 2421 अंक और उक्रेन 2391 अंक के साथ शीर्ष तीन में शामिल है ।

ईरानी कप : भारतीय टीम से लौटे सरफराज खान ने ठोका शतक, लगाए 14 चौके

स्पोर्ट्स डेस्क । सरफराज खान ने ईरानी कप में मुंबई की टीम में वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2 अक्टूबर बुधवार को शेष भारत के खिलाफ अपना 15वां प्रथम श्रेणी शतक बनाया। लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन लंच से पहले सरफराज ने 150 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

मुंबई के इस बल्लेबाज को हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। ईरानी कप में खेल शुरू होने से पहले उन्हें टीम से रिलीज कर दिया गया था। सरफराज ने बांग्लादेश के खिलाफ किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि केएल राहुल उनसे आगे थे। सरफराज पहले दिन मुंबई के 4 विकेट पर 139 रन पर बल्लेबाजी करने आए थे। इसके बाद उन्होंने अजिंक्य रहाणे के साथ मिलकर गत रणजी ट्रॉफी चैंपियन के लिए मैच को संभाला।

रहाणे और सरफराज ने पहले दिन के अंत तक 98 रन जोड़े और सुनिश्चित किया कि मुंबई 4 विकेट पर 237 रन बनाए। दूसरे दिन दोनों ने 43 रन और जोड़े, लेकिन रहाणे 97 रन बनाकर यश दयाल की गेंद पर आउट हो गए और शतक से चूक गए। इसके बाद सरफराज के साथ शम्स मुलानी क्रीज पर आए, लेकिन वह ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए और मुकेश कुमार ने उन्हें बोल्ड कर दिया। इसका मतलब था कि सरफराज को अब चीजों को संभालना था और खुलकर रन बनाने थे। उनके साथ तनुश कोटियन आए और दोनों ने 58 रन बनाए और मुंबई को लखनऊ में लंच तक 6 विकेट पर 338 रन तक पहुंचाया।

पिछले ओवर में करीबी मुकाबले से बचने के बाद सरफराज ने 92वें ओवर में अपना शतक पूरा किया। मुंबई के बल्लेबाज ने लंच तक 155 गेंदों पर 103 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें उनके नाम 14 चौके शामिल थे।

'मैं मैदान पर जडेजा से परेशान हो जाता हूँ क्योंकि...': स्टीव स्मिथ

मुंबई (एजेंसी)। शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया कि भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा मैदान पर उन्हें परेशान करते हैं क्योंकि वह एक अच्छे खिलाड़ी हैं और हमेशा लड़ाई में शामिल होने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लेते हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के करीब आते ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने अपने विचार साझा कर रहे हैं कि उन्हें टीम इंडिया में कौन सबसे ज्यादा परेशान करने वाला या मजेदार लगता है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ ने कहा, 'मैं मैदान पर जडेजा से परेशान हो जाता हूं, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। वह हमेशा लड़ाई में शामिल होने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लेते हैं, चाहे वह रन बनाना हो, विकेट लेना हो या शानदार कैच लेना हो। यह कभी-कभी थोड़ा परेशान करने वाला हो सकता है, लेकिन वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने स्मिथ का समर्थन करते हुए कहा, 'शायद जडेजा।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 टेस्ट मैचों में जडेजा ने 23 पारियों में 28.50 की औसत से 570 रन बनाए हैं जिसमें पांच अर्द्धशतक और 81 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने पांच पारियों में 43.75 की औसत से 175 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 89 विकेट लिए हैं जिनमें से 14 ऑस्ट्रेलिया में आए हैं।

इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को भारतीय टीम में एक और खिलाड़ी मजेदार लगा। उन्होंने कहा, 'ट्रिगर। मैं इसे बाद के लिए बचाकर रखूंगा, अन्यथा मेरे पीछे बहुत सारे भारतीय खिलाड़ी पड़ जाएंगे। लेकिन मुझे हमेशा सबसे मजेदार ऋषभ पंत लगता है। वह हमेशा मजाकिया रहता है, खूब हंसता है और खेल को सही भावना से खेलता है।' पंत का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 7 मैचों और 12 पारियों में 62 से अधिक की औसत से 624 रन बनाए है, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 159* है।

ट्रेविस हेड ने विराट कोहली की ओर इशारा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत से लोग विराट का नाम लेंगे, सिर्फ इसलिए कि वह कितने अच्छे हैं। वह हमेशा रन बनाते रहते हैं और उनकी ऊर्जा हमेशा बनी रहती है। वह हमेशा आपके साथ रहते हैं।' विराट का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने 13 टेस्ट में 54.08 की औसत से 1,352 रन बनाए हैं, जिसमें 25 पारियों में छह शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 169 है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट में कुल मिलाकर उन्होंने 44 पारियों में आठ शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 47.48 की औसत से 2,042 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की, 'मैं सभी भारतीय खिलाड़ियों से परेशान हो जाता हूं।'

गौर हो कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। 6 से 10 दिसंबर को एडिलेड ओवल में होने वाला दूसरा टेस्ट डे-नाइट प्रारूप में खेला जाएगा। इसके बाद प्रशंसक तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन के गाबा की ओर अपना ध्यान करेंगे जो 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेलबर्न के प्रसिद्ध मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 26 से 30 दिसंबर के लिए निर्धारित पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट श्रृंखला को उसके अंतिम चरण में ले जाएगा। 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाला पांचवां और अंतिम टेस्ट श्रृंखला का अंत करेगा।

पाकिस्तान के हॉकी खिलाड़ी सोहेल अब्बास मलेशिया के ड्रैग फ्लिक कोच बने

कराची । पाकिस्तान के महान पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ सोहेल अब्बास ने मलेशिया हॉकी परिसंघ के साथ ड्रैग फ्लिक कोच के तौर पर एक साल का करार किया है। सोहेल ने पाकिस्तान हॉकी महासंघ के साथ कोई कोचिंग करार कभी नहीं किया और दो बार पेशकश मिलने पर ठुकरा चुके हैं। वह देश के पूर्व ओलंपियनों और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से भी दूर रहते हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने 311 मैचों में 348 गोल किए हैं। वह मलेशिया के मुख्य कोच सुरजीत सिंह के साथ काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में हमलों को लेकर तालिबान की पाकिस्तान को चेतावनी- आतंकियों को ना दे पनाह

काबुल, एजेंसी। तालिबान अधिकारियों ने अफगानिस्तान में हाल ही में हुए घातक हमलों के लिए जिम्मेदार इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह के अहम सदस्यों को कैप्चर कर लिया है। तालिबान के एक प्रवक्ता ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। तालिबान ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को संगठन को पनाह देने का दोषी ठहराया है। अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान ने सत्ता में की थी। हालांकि इस्लामिक स्टेट का क्षेत्रीय रूप, जिसे इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस- के) के रूप में जाना जाता है तालिबानी हुकूमत के लिए मुख्य चुनौती के रूप में उभरा है। बड़े पैमाने पर किए गए ऑपरेशन के बाद आईएस- के के हमलों की संख्या को काफी हद तक कम हो गई है। हालांकि इस साल आईएस- के के आतंकियों ने कई जगह गोलीबारी और बम विस्फोट की की घटना को अंजाम दिया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि विशेष बलों ने विद्रोही समूह के प्रमुख सदस्यों को पकड़ लिया है जिसने इस महीने काबुल आत्मघाती बम विस्फोट का दावा किया था जिसमें छह लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि आत्मघाती हमलावर ने पाकिस्तान में एक प्रशिक्षण शिविर से अफगानिस्तान में घुसपैठ किया था। तालिबान ने बताया कि कई छापों में गिरफ्तार किए गए दूसरे आतंकी भी पाकिस्तान के ही हैं। मुजाहिद ने कहा कि इस कार्रवाई से सुन्नी जिहादी समूह को अफगानिस्तान से खदेड़ दिया गया लेकिन उन्होंने पाकिस्तान में नए ऑपरेशनल बेस और ट्रेनिंग कैंप स्थापित कर लिए हैं। इस टिप्पणी से काबुल और पाकिस्तान के बीच संबंधों में और खटास आने की संभावना है। पाकिस्तान ने अपने क्षेत्र में बढ़ते हमलों के लिए अफगानिस्तान को दोषी ठहराया है और दावा किया कि तालिबान पाक तालिबान विद्रोहियों को दबाने में विफल रहा है।

अमेरिका में दुष्कर्म मामले में शिक्षिका को सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। इडाहो के एक हाई स्कूल के शिक्षिका को नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाए जाने पर कम से कम दो साल और अधिकतम 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, 36 साल की जेसिका लॉसन ने एक याचिका समझौते के तहत यौन उत्पीड़न के दो मामलों को स्वीकार किया। हालांकि, समझौते के तहत नाबालिग को शराब उपलब्ध कराने और नियंत्रित पदार्थ पहुंचाने के अतिरिक्त आरोपों को खारिज कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लॉसन को पिछले साल नवंबर में इडाहो के सेंट एंथोनी में उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब नाबालिग कार चला रहा था और वह खुद पास की सीट पर बैठी थी। पुलिस का कहना है कि महिला ने लड़के को कार चलाने का निर्देश इसलिए दिया था क्योंकि वह बहुत नशे में थी। जब पुलिस ने कार रोकी तो देखा की टेललाइट टूटी हुई है। लड़के ने कथित तौर पर ड्रग रखने की बात कबूल की थी। बच्चे के माता-पिता ने बाद में पुलिस को बताया कि लॉसन उसे रात में ले गई थी और यौन उत्पीड़न से पहले उसे शराब और ड्रग दिया था। साउथ फ्रेमोंट हाई स्कूल की पूर्व शिक्षिका लॉसन को कम से कम दो साल जेल में रहना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, उसे पीड़ित से 20 साल तक संपर्क न करने का आदेश भी दिया गया है।

भारत में वॉन्टेड जाकिर नाइक का पाकिस्तान में भव्य स्वागत, लाइन में लगीं बड़ी हस्तियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक पाकिस्तान पहुंचे हैं। यहां उनका भव्य स्वागत हुआ और बड़ी राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात की। खास बात है कि नाइक भारत में वॉन्टेड की लिस्ट में भी शामिल है। खबर है कि नाइक कुछ समय के लिए पाकिस्तान में ही रहेगा और कार्यक्रमों में शामिल होगा। हाल ही में उसने भारत में प्रस्तावित वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ मुस्लिम समुदाय से एकजुट होने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नाइक का स्वागत रेड कार्पेट से किया गया। वह सोमवार को राजधानी इस्लामाबाद पहुंचा है और 28 अक्टूबर तक मुल्क में रहेगा। नाइक का स्वागत करने प्रधानमंत्री के युवा कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशहूद, धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सैयद अता-उर-रहमान, धार्मिक मामलों के संसदीय सचिव शमशेर मजारी समेत कई लोग पहुंचे थे। इसके बाद नाइक ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ भी तस्वीर साझा की। खबर है कि नाइक इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में जनता के सामने भाषण देगा। साल 2016 से ही वह मलेशिया में रह रहा है। फिलहाल, भारत ने उसके प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध किया है, लेकिन मलेशिया की तरफ से इसपर सहमति नहीं दी गई है। नाइक कथित धन शोधन मामले और नफरती भाषणों के जरिए सांप्रदायिक भड़काने के मामले में भारत के लिए वांछित है। वह 2016 में भारत से चला गया था। इस्लामिक उपदेशक को महातिर मोहम्मद के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार ने मलेशिया में स्थायी निवास की अनुमति दी थी।

सत्ता परिवर्तन को साजिश कहना युवा पीढ़ी के बलिदान को कमतर आंकना: मोहम्मद तौहीद हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। अब जब इसे लेकर बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि वह नहीं चाहते कि युवा पीढ़ी के बलिदान को कमतर आंका जाए।

सत्ता परिवर्तन को साजिश कहना युवा पीढ़ी के बलिदान को कमतर आंकना : मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि छात्रों और अन्य युवाओं को एक निरंकुश शासन को लोकतांत्रिक और समावेशी शासन में बदलने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है। युवा पीढ़ी के बलिदान के चलते ही सरकार बदली और शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़कर भागना पड़ा। यह अचानक हुआ आंदोलन था, जो सरकार के सत्ता से बेदखल होने पर ही खत्म हुआ।

हिंदू-अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर क्या बोले: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदुओं पर हमले की घटनाओं पर मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि शेख हसीना के जाने के तुरंत बाद प्रशासन में एक खालीपन आ गया था और पुलिसिंग की भी समस्या थी क्योंकि पुलिस को युवा पीढ़ी के खिलाफ रखा गया था, इसलिए जब शेख हसीना चली गई, तो उस समय तनाव और भावनाओं का ज्वार बहुत अधिक था, जिसके चलते कुछ घटनाएं हुईं, लेकिन इसे हिंदू

विरोधी आंदोलन करना पूरी तरह से गलत है। हिंसा ज्यादातर अवामी लोग के वफादारों के खिलाफ हुई। आंदोलन के दौरान कुछ हिंसा हुई, लेकिन वह इस आधार पर नहीं थी कि कोई हिंदू था या मुसलमान। अगर आप धर्म के हिसाब से गिनें, तो उस समय हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों पर ज्यादा हमले हुए, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अवामी लोग समर्थकों के खिलाफ आंदोलन चल रहा था जिसे सरकार संभालने के तुरंत बाद रोक लिया गया था। मुझे नहीं लगता कि इस समय इस देश में कोई शिकायत करेगा कि ऐसी कोई कार्रवाई हुई है।

बांग्लादेश में मनाया जाएगा दुर्गा पूजा उत्सव : बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से जब पूछा गया कि क्या देश में दुर्गा पूजा मनाई जाएगी, तो उन्होंने कहा, यह बहुत अजीब बात है। हो सकता है कि कुछ लोग दुर्गा पूजा को पसंद न करें, लेकिन इस देश में सदियों से दुर्गा पूजा होती आ रही है और ऐसा कोई मौका नहीं आया जब दुर्गा पूजा न हुई हो। निश्चित रूप से, जो श्रद्धालु दुर्गा पूजा करना चाहते हैं, वो कर सकते हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए। भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर भी बोले बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने हाल ही में न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। भारत-बांग्लादेश के रिश्तों पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक दूसरे के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते रखने चाहिए। मेरी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात हुई थी, जिसमें वे भी दोनों देशों के कामकाजी रिश्ते बेहतर रखने के पक्ष में थे। हालांकि उनके साथ शेख हसीना को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

यमन के हुती विद्रोहियों ने अमेरिका निर्मित एक और ड्रोन को मार गिराने का दावा किया

दुबई , एजेंसी। यमन के हुती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने देश के ऊपर अमेरिका निर्मित एक और 'एमक्यू-9 रीपर' ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने वीडियो भी साझा किया जिसमें कथित तौर पर सतह से हवा में मार करने वाली एक मिसाइल ड्रोन को निशाना बनाती दिखती है। अमेरिकी सेना ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। दावा ऐसे समय किया गया है जब गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध को लगभग एक साल होने वाला है। हुती विद्रोही लाल सागर से यात्रा करने वाले जहाजों को निशाना बनाते रहे हैं और अमेरिका के नेतृत्व वाले हवाई हमलों ने यमन में हुती की स्थिति को प्रभावित किया है। उन्होंने इजराइल को निशाना बनाकर मिसाइलें दागना जारी रखा है, जिसके जवाब में इस सप्ताह के अंत में बंदरगाह शहर होदेइदा पर इजराइल ने हवाई हमले किए। हुती संचालित प्रसारक अल-मसीरा ने 'एमक्यू-9' को मार गिराने का दावा किया। इससे संबंधित एक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हुआ जिसमें कथित तौर पर मिसाइल यमन के सादा प्रांत के ऊपर ड्रोन से टकराती दिखी। ऑनलाइन आई एक तस्वीर में 'एमक्यू-9' से मिलता-जुलता मलबा दिखा। अमेरिकी सेना ने एसोसिएटेड प्रेस की टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। इससे पहले, अमेरिकी सेना ने स्वीकार किया था कि हुती विद्रोहियों ने सितंबर में दो 'एमक्यू-9' को मार गिराया।

रुपये के बजाय अमेरिकी डॉलर लेकर आएं, पाकिस्तान की पंजाब सरकार का भारतीय सीखों को सलाह

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिख मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने यहां कहा कि हमें कई शिकायतें मिली हैं कि अपने पवित्र स्थानों के लिए पाकिस्तान जाने वाले भारतीय सिखों का शोषण मौजूदा विनिमय दर से काफी कम (राशि) देकर किया जाता है। अरोड़ा, जो पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान (अध्यक्ष) भी हैं। भारत से सिखों के शोषण के बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद सलाह जारी की। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने सोमवार को देश की यात्रा करने के इच्छुक भारतीय सिखों को भारतीय मुद्रा के बजाय अमेरिकी डॉलर ले जाने की सलाह दी। पंजाब के पहले सिख मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने यहां कहा कि हमें कई शिकायतें मिली हैं कि अपने पवित्र स्थानों के लिए पाकिस्तान जाने वाले भारतीय सिखों का शोषण मौजूदा विनिमय दर से काफी कम (राशि) देकर किया जाता है। अरोड़ा, जो पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान (अध्यक्ष) भी हैं। भारत से सिखों के शोषण के बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद सलाह जारी की। मंत्री ने यह भी कहा कि यहां आने वाले भारतीय सिखों को समूह नेताओं को यहां सुविधाओं के लिए कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि पहले सिख गुरु, गुरु नानक देव की 555वीं जयंती पर उत्सव में भाग लेने के लिए 14 नवंबर को बड़ी संख्या में भारतीय सिख यहां आने वाले हैं। पिछले साल, लगभग 3,000 भारतीय सिख इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वाघा सीमा के माध्यम से यहां पहुंचे थे। कई सिख पाकिस्तान के करतारपुर मंदिर को उस स्थान के रूप में देखते हैं जहां उनका धर्म शुरू हुआ था: इसके संस्थापक, गुरु नानक का जन्म 1469 में पूर्वी पाकिस्तानी शहर लाहौर के पास एक छोटे से गांव में हुआ था। लेकिन वहां पहुंचने के लिए, यात्रियों को पहले मुश्किल से मिलने वाला वीजा लेना होगा।

ब्रिटेन का अंतिम कोयला बिजली संयंत्र बंद, 142 साल पुरानी व्यवस्था खत्म; शैंक्स ने कहा- हम गुजरी पीढ़ियों के ऋणी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन का आखिरी कोयला आधारित बिजली संयंत्र सोमवार को बंद हो गया है। इससे देश में औद्योगिक क्रांति को जन्म देने वाली कोयला विद्युत की 142 वर्ष पुरानी व्यवस्था खत्म हो जाएगी। मध्य इंग्लैंड स्थित 'रैटक्लिफ-ऑन-सोर स्टेशन' अपनी अंतिम पाली के साथ आधी रात से हमेशा के लिए विराम ले लेगा। इस बारे में संयंत्र प्रबंधक पीटर ओ'ग्राडी ने कहा कि यह 'भावुक कर देने वाला दिन है'। ब्रिटेन सरकार ने 2030 तक देश के लिए समुची ऊर्जा नवीकरणीय स्त्रोतों से पैदा करने के प्रयासों में एक मील के पत्थर के रूप में कोयला आधारित बिजली संयंत्र के बंद होने की सराहना की। ऊर्जा मंत्री माइकल शैंक्स ने कहा, संयंत्र का बंद होना एक युग के अंत का प्रतीक है और कोयला श्रमिक वर्षों से देश को बिजली देने वाले अपने काम पर गर्व कर सकते हैं। उन्होंने कहा, कोयला युग खत्म हो रहा है, लेकिन हमारे देश के लिए अच्छी ऊर्जा वाली नौकरियों का नया युग शुरू हो रहा है। संयंत्र के प्रबंधक ने कहा, अब कोयले के बिना ही जीवन चलेगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री माइकल शैंक्स ने कहा, इस संयंत्र ने देश को 140 से ज्यादा साल तक बिजली दी है। एक देश के रूप में हम (गुजरी) पीढ़ियों के प्रति ऋणी हैं। लेकिन उन्होंने कहा, अब शायद कोयले का युग खत्म हो रहा है। हालांकि हमारे देश के लिए नई नौकरियों का एक नया युग अब शुरू हो रहा है।

इजरायल को आत्मरक्षा का अधिकार, हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई को समर्थन: अमेरिका

वाशिंगटन , एजेंसी। इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ सीमित, स्थानीय और लक्षित जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच अमेरिका ने एक बार फिर यहूदी राष्ट्र का खुलकर समर्थन किया है। इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ फोन पर बातचीत में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने वॉशिंगटन का समर्थन दोहराया। हालांकि उन्होंने इजरायल-लेबनान सीमा के दोनों ओर नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक कूटनीतिक समाधान की जरुरत पर बल दिया।

एक्स पर एक पोस्ट में ऑस्टिन ने कहा, मैंने यह स्पष्ट कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्ष सीमा पर आक्रमणकारी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के महत्व पर सहमत हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिजबुल्लाह इजरायल के उत्तरी समुदायों पर 7 अक्टूबर जैसे हमले न कर सके। अमेरिकी रक्षा सचिव ने इस बात पर भी जोर दिया कि नागरिकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए एक कूटनीतिक समाधान जरुरी है।

ऑस्टिन ने कहा, मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका ईरान और ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों के खतरे से अमेरिकी कर्मियों, साझेदारों और सहयोगियों की रक्षा करने के लिए अच्छी स्थिति में है और किसी को भी तनाव का फायदा उठाने या संघर्ष का विस्तार करने से

रोकने के लिए दृढ़ है।

अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा, मैंने दोहराया कि यदि ईरान इजरायल के खिलाफ सीधा सैन्य हमला करने का फैसला करता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने संघर्ष के विस्तार की स्थिति में इजरायल को समर्थन देने की अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि इजरायल ने अमेरिका को सूचित किया कि वह बॉर्डर के पास हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे पर केंद्रित सीमित अभियान चला रहा है। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि इजरायल ने लेबनान में एक सीमित जमीनी अभियान की योजनाओं के बारे में व्हाइट हाउस को सूचित किया है। बता दें 23 सितंबर से, इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिए। शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक महत्वपूर्ण हमले में हुई, जिसमें हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और उनके कई सहयोगी मारे गए। 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे। नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है।

मोसाद का पता लगाने वाले 20 ईरानी एजेंट ही इजरायल के वफादार हो गए, मरवा दिया नसरल्लाह: दावा

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के कारनामे अकसर दुनिया को हैरान कर देते हैं। दुश्मन को उसके ही घर में घुसकर मारने से लेकर सालों बाद तक अपना टारगेट याद रखने के लिए मोसाद को जाना जाता है। बीते शुक्रवार को इजरायल ने लेबनान में घुसकर हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर सैयद हसन नसरल्लाह को मार गिराया था। नसरल्लाह को मार गिराने के पीछे कई कहानियां बताई जा रही हैं कि आखिर कैसे इजरायल ने उसके बारे में पता लगाया। यही नहीं नसरल्लाह के शरीर पर कोई जख्म का निशान तक नहीं है, लेकिन वह मारा गया। अब ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि इजरायल ने ईरान की उस एजेंसी में ही सेंध लगा दी थी, जिसे मोसाद के खिलाफ काम सौंपा गया था। अहमदीनेजाद ने सीएनएन की तुर्की सर्विस को दिए इंटरव्यू में यह दावा किया है। कहा जा रहा है कि ईरान के ऐसे ही एक भेदिये ने इजरायल को नसरल्लाह के पते के बारे में जानकारी दी थी। अहमदीनेजाद ने कहा कि ईरान ने अपने देश में सक्रिय मोसाद के

एजेंट्स का पता लगाने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई थी। लेकिन इस ग्रुप में ही इजरायल ने सेंध लगा दी और उन्हें अपने पेरोल पर रख लिया। ये लोग सालों तक डबल एजेंट्स के तौर पर काम करते रहे और ईरान की मदद करने की बजाय उसकी जानकारी ही इजरायल को देते रहे। अहमदीनेजाद का दावा है कि ईरान के खुफिया विभाग में शीर्ष स्तर के भी कुछ लोग इजरायल के साथ जा मिले थे। उनका कहना है कि करीब ऐसे 20 लोग हैं, जो ईरान के लिए काम करने के दौरान इजरायल की मदद करते रहे। ये लोग एक तरह से डबल एजेंट बनकर ईरान को चकमा दे रहे थे। यही नहीं इनकी मदद से इजरायल को ईरान के सारे परमाणु ठिकानों के बारे में पता चल चुका है। इसके अलावा मोसाद ने इन लोगों की ही मदद से हमास के पॉलिटिकल कमांडर इस्माइल हानियेह को तेहरान में घुसकर मार डाला था। यह घटना ईरान के लिए सदमे की तरह थी। खुद बेंजामिन नेतन्याहू ने 2018 में माना था कि उनके पास ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और ठिकानों की जानकारी है।

पीछे नहीं हटेंगे, लेबनान पर इजरायल के जमीनी हमले का करेंगे मुकाबला: हिजबुल्लाह

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्लाह के डिप्टी चीफ शेख नईम कासिम ने सोमवार को कहा कि ईरान समर्थित लेबनानी संगठन अपनी लड़ाई में विजेता बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि उनका ग्रुप लेबनान पर इजरायली सेना के जमीनी हमले का मुकाबला करेगा। कासिम ने कहा, यदि इजरायल जमीन के रास्ते लेबनान में एंट्री करने का फैसला लेता है, तो रेजिस्टेंस फोर्सेज इन हमलों का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। शुक्रवार देर शाम बेरूत के दक्षिणी उपनगर में इजरायली एयर स्ट्राइक में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद संगठन के किसी सीनियर अधिकारी का यह पहला भाषण था। कासिम ने कहा कि अपने शीर्ष नेतृत्व के खात्मे के बावजूद, हिजबुल्लाह अपने रास्ते से पीछे नहीं हटेगा। बता दें लेबनानी ग्रुप को कई देशों ने वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। कासिम ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि दुश्मन के ये हमले प्रतिरोध को कमजोर नहीं करेंगे और हम निश्चित रूप से जीतेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि हिजबुल्लाह के नए महासचिव का चुनाव जल्द ही नए कमांडरों के बीच से किया जाएगा। इस बीच, हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह की हत्या के बाद नए नेता की नियुक्ति के बारे में मीडिया रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा कि आंदोलन की संरचना के बारे में किसी भी तरह की अटकलों को तब तक खारिज किया जाता है जब तक कि आधिकारिक

घोषणा नहीं की जाती। ईरान के प्रेस टीवी के मुताबिक हिजबुल्लाह ने एक बयान में स्पष्ट किया, महासचिव (सैय्यद हसन नसरल्लाह) की शहादत के बाद हिजबुल्लाह के नेतृत्व में संगठनात्मक प्रक्रियाओं के बारे में कुछ मीडिया आउटलेट्स पर प्रसारित समाचारों को लेकर हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि संबंधित न्यूज का कोई महत्व नहीं है और इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। बता दें इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने शनिवार को, नसरल्लाह के मारे जाने का ऐलान किया। इसके कुछ घंटों बाद हिजबुल्लाह ने भी अपने नेता की मौत की पुष्टि की। नसरल्लाह, 30 साल की उम्र में 1992 में हिजबुल्लाह का महासचिव बना था। अगले 32 वर्षों में उसने हिजबुल्लाह को न सिर्फ लेबनान बल्कि मध्य पूर्व की एक बड़ी ताकत बना दिया। वह इजरायल का दुश्मन नंबर एक बन गया।

आईएसएस पर पहुंच चुका अंतरिक्षयान, फिर भी फरवरी तक इंतजार, क्यों अटकी सुनीता विलियम्स की वापसी

वॉशिंगटन, एजेंसी। सुनीता विलियम्स को वापस लाने के लिए स्पेसएक्स विमान पहुंच चुका है। इसे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर खड़ा भी किया जा चुका है। स्पेसएक्स क्रू9 मिशन के दोनों एस्ट्रोनॉट्स निक हेग और एलेक्जेंडर गोर्बूनॉव का वहां पर ग्रैंड वेलकम हो चुका है। यह सब सफलतापूर्वक होने के बावजूद सुनीता विलियम्स को तत्काल वापस क्यों नहीं लाया जा रहा है? जब स्पेसयान वहां पर पहुंच चुका है तो फिर सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी को फरवरी 2025 तक के लिए क्यों टाला जा रहा है? यह एक बड़ा सवाल है जो तमाम लोगों के जेहन में चल रहा है। असल में इसके पीछे कई वजहें हैं। आइए विस्तार से जानते हैं...

क्रू रोटेशन : इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर क्रू रोटेशन काफी अहम है। नासा ने इसे बहुत ही सावधानी के साथ प्लान किया है। ऐसे में सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की तत्काल वापसी इस रोटेशन पर असर डालेगी। इससे आईएसएस के शिड्यूल पर असर पड़ेगा और वहां स्टाफ की कमी हो सकती है। नासा चाहता है वापस आने से पहले वह मेंटेनेंस से जुड़ी अपनी सभी जिम्मेदारियों को अच्छे से पूरा कर लें।

मिशन में बाधा : सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर फिलहाल आईएसएस पर कई तरह के वैज्ञानिक प्रयोगों में लगे हैं। वह तमाम रिसर्च प्रोजेक्ट्स को भी अंजाम दे रहे हैं। इसके लिए दोनों का चयन उनके अनुभव और विशेषज्ञता को देखते हुए किया गया है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर लंबे समय तक रहने का उनका अनुभव भी अहम फैक्टर है। अगर वो तत्काल वहां से हटते हैं इससे मिशन में बाधा पहुंचेगी।

तैयारी में लगने वाला समय : आईएसएस से धरती के लिए वापस आने से पहले एस्ट्रोनॉट्स को तमाम तरह की तैयारियां करनी पड़ती हैं। अंतरिक्ष और धरती के माहौल में बहुत ज्यादा अंतर है। ऐसे में उन्हें इस बात के लिए तैयार होना पड़ता है कि वापस धरती पर आने के बाद उनका शरीर कैसे रिस्पांस करेगा। इन तमाम चीजों से आसानी से पार पाने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को वापसी से पहले लंबी तैयारी करनी होती है।

सुरक्षा का पहलू : सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी में सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा ही बनी थी। ऐसे में नासा जल्दबाजी में कदम उठाकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगा। दोनों की सकुशल वापसी हो, इसके लिए लंबी तैयारी की जरूरत है। यह देखते हुए कि अंतरिक्ष मिशन काफी अनएक्सपेक्टेड होते हैं।

नवरात्रि में ये सरकार दे रही फी में 2 किलो आटा और 1 किलो चीनी

नई दिल्ली। राशन कार्ड धारकों के लिए केंद्र की मोदी सरकार की और फी राशन योजना चल रही है। इस योजना का लाभ सभी कार्ड धारक लेते हैं। वैसे राशन कार्ड गरीब और जरूरतमंद लोगों का ही बनाया है। अपने देश में अब भी राशन कार्ड से करोड़ों लोग अनाज लेते हैं। यह देखकर पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा सरकार ने राज्य के लोगों के लिए बड़ा तोहफा दिया है। जिसके तहत राज्य के लोगों राशन के साथ ही कुछ और भी फी देने की घोषणा की है। आगामी नवरात्रि को ध्यान में रखकर त्रिपुरा सरकार ने सभी राशन कार्ड धारकों को फी में 2 किलो आटा और 1 किलो चीनी देने का ऐलान किया है। इसके साथ-साथ राशन लेने वाले लोगों को दुर्गा पूजा से पहले 500 ग्राम सूजी भी फी में दी जाएगी। त्रिपुरा सरकार के तोहफे को लेकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये सब सामान पहले भी दिया जाता था। जिसके लिए रियायती दरें ली जाती थी। हालांकि इस बार त्रिपुरा सरकार की ओर से नवरात्रि को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार फी में दे रही है। राज्य सरकार द्वारा किए गए त्रिपुरा सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार हर साल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से सामान रियायती दरों पर उपलब्ध कराती है। लेकिन इस बार सरकार ने विशेष ऑर्डर के तहत लोगों को फी में देने लिया है। चूंकि बाढ़ से लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। यह ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही उपभोक्ता मंत्री चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार जल्दी ही पुराने राशन कार्डों को बदलकर स्मार्ट कार्ड में बदलेगी। इसके तहत सभी को नया राशन कार्ड जारी होगा।

साहिबगंज में एनटीपीसी एमजीआर रेलवे ट्रैक को बम से उड़ाया

साहिबगंज। साहिबगंज में एनटीपीसी एमजीआर रेलवे ट्रैक को बदमाशों ने बम से उड़ा दिया है। इसमें ट्रैक का 470 सेंटीमीटर टुकड़ा क्षतिग्रस्त हो गया है। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि रेलवे ट्रैक का हिस्सा 39 मीटर दूरी जा गिरा। ब्लास्ट के बाद ट्रैक में 770 सेंटीमीटर का गैप आ गया। वहीं 3 फीट गहरा गड्ढा हुआ है। मौके पर रेलवे और पुलिस के बड़े अधिकारी पहुंचे हुए हैं। घटना लगभग रात के 12 बजे की है। घटना के बाद कोयला लोड गाड़ी पोल संख्या42/2 के पास खड़ी है। वही घटना के संबंध में रेलवे नाइट गार्ड जीतेंद्र कुमार शाह ने बताया कि मेरी ड्यूटी इसी लाइन में शाम चार बजे से रात 12 बजे तक रहती है। मैं ड्यूटी में ही था। कई बार की जांच के दौरान में रात 10 बजे तक लाइन में किसी तरह की कोई हलचल नहीं थी। रात 12 बजे के करीब धमाके जैसी आवाज आई। हालांकि इस लाइन में पहले कभी इस तरह की घटना नहीं हुई तब लगा कि टायर फटा होगा। मेरी ही लाइन में घटना घटी इसका पता नहीं चल सका। ड्यूटी खत्म कर मैं घर चला गया। सुबह कॉल पर जानकारी मिली की ऐसी घटना हुई है।

मणिपुर में नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी...3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मणिपुर के उखरुल जिले में नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 3 लोगों की मौत हुई और 10 से ज्यादा घायल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163, 2023 की उप-धारा 1 के तहत इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अगले आदेश तक लोगों के घरों से निकलने पर रोक है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष नगा समुदाय के हैं, लेकिन हुनफुन और हंगपुंग नाम के दो अलग-अलग गांव हैं। दोनों पक्ष एक ही जमीन पर दावा करते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत विवादित जमीन की सफाई को लेकर दोनों गुटों के बीच हिंसा हुई। इलाके में असम राइफल्स को तैनात किया गया है। दूसरी तरफ, चुराचांदपुर जिले के लीशांग गांव के पास अज्ञात लोगों ने एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के टाउन कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान जिले के कपरंग गांव के निवासी सेखोहाओ हाओकिप के रूप में की गई।

ईरान पर इजराइल के घातक पलटवार से सहमी दुनिया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रहे गंभीर तनाव के बीच, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी ने चिंता को बढ़ा दिया है। हाल ही में, इजरायल ने एक ऑपरेशन कर हिज्बुल्लाह प्रमुख को मार गिराया, जिसके बाद ईरान ने बदला लेने की धमकी दी थी। मंगलवार देर रात, ईरान ने इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें दाग दीं। इस हमले ने पहले से ही अस्थिर मिडिल ईस्ट की स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। दोनों देशों के बीच बढ़ता तनाव केवल इजरायल और ईरान तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर होगा। सोशल मीडिया पर भी मुद्दे को लेकर गंभीर चर्चाएं हो रही हैं। कई लोग ईरान के साथ खड़े हैं, जबकि अन्य इजरायल के समर्थन में हैं। इस बीच, कुछ लोग लंबी जंग की आशंका को लेकर चिंतित हैं। वहीं ईरान के मिसाइल हमले के बाद, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने मिसाइल दागकर बहुत बड़ी गलती की है। उन्होंने सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में कहा कि ईरान को इसके परिणाम भुगतना होगा। वहीं ईरान के हमले के बाद, दुनिया भर से मिली-जुली प्रतिक्रिया आ रही हैं। अमेरिका ने हमले की कड़ी निंदा कर इजरायल को सैन्य सहायता की पेशकश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। वहीं, यूरोपीय यूनियन और संयुक्त राष्ट्र ने तनाव को कम करने और शांति बहाल करने की अपील की है। कुछ अरब देशों ने इस हमले के बाद क्षेत्र में संभावित बड़े संघर्ष की चिंता जाहिर की है, जबकि कुछ ने ईरान के समर्थन में खड़े होने का संकेत दिया है।

ईरान और इजराइल के बीच जंग के असर... कई दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों ने बदले रुट

- कई एयरलाइंस कंपनियों ने रद्द कर दी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल में तनाव बढ़ने का असर दुनियाभर में दिख रहा है। इस बीच विमानन क्षेत्र गहरा असर पड़ा है। मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कई दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों ने अपने रास्ता बदल लिया है या फिर सस्पेंड फ्लाइट्स की डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया है। पहले इजराइल-फिलिस्तीन, फिर इजराइल और हिजबुल्लाह और अब इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष ने लुफ्थांसा से लेकर अमीरात तक की उड़ानों को प्रभावित किया है। एअर इंडिया ने भी दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष पर चिंता जाहिर की है।

वहीं कई एयरलाइनों ने इजराइल और लेबनान के लिए अपनी उड़ानों के निलंबन को आगे बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, लुफ्थांसा, केएलएम, अमीरात और स्विस एयरलाइंस सहित टॉप एयरलाइनों ने इजराइल, ईरान और लेबनान के लिए अपनी उड़ानों के निलंबन की घोषणा की है।

युद्ध बढ़ने की आशंका के चलते डच एयरलाइन केएलएम ने कहा है कि कंपनी ने क्षेत्र की नाजुक स्थिति को देखकर सख्त के अंत तक तेलअवीव के लिए अपनी सभी उड़ानें सस्पेंड कर दी हैं। रिपोर्ट में एयरलाइंस के प्रवक्ता ने हवाले से जानकारी दी गई है। बता दें कि अगस्त में केएलएम एयरलाइंस ने ऐलान किया था कि इजराइल के लिए सभी उड़ानें 26 अक्टूबर तक निलंबित की गई हैं, लेकिन अब इस डेडलाइन को बढ़ा दिया गया है।

वहीं जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने कहा कि वह 30 नवंबर तक बेरूत, 31 अक्टूबर तक तेल अवीव और 14 अक्टूबर तक तेहरान के लिए उड़ानें निलंबित कर रही है। इससे पहले दुबई की अमीरात एयरलाइंस ने गुरुवार की इराक, ईरान और जॉर्डन को उड़ानें कैंसिल की हैं और बेरूत की उड़ानों का निलंबन 8 अक्टूबर तक बढ़ाया है। कुवैत एयरलाइंस ने कुछ रूट्स को चेंज किया है, डेस्टिनेशन टाइमिंग पर असर पड़ा है। एयरलाइन ने कहा है कि यह जरूरी सुरक्षा उपायों के तहत किया गया फैसला है। ईरान एयर, इराकी एयरवेज, वहदेन स्थित गल्फ एयर और दोहा स्थित कतर एयरवेज ने भी अगली सूचना तक बेरूत के लिए सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वहीं एयर अरेबिया ने बेरूत के लिए अपनी सभी उड़ानें सस्पेंड कर दी है। फिलहाल दुबई ने अपनी दुबई-बेरूत उड़ान को 7 अक्टूबर तक के लिए रद्द कर दिया है।

रॉयल जॉर्डन ने मौजूदा स्थिति के बीच लेबनान की राजधानी के लिए उड़ानें निलंबित की है। आईटीए एयरलाइंस इटली ने तेल अवीव की उड़ानों के निलंबन को 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। ब्रिटिश एयरलाइन ने तेल अवीव की उड़ानों को 7 अक्टूबर तक रद्द कर दिया है। एयर फ्रांस ने भी घोषणा की कि उसकी पेरिस-तेल अवीव और पेरिस-बेरूत उड़ानें 8 अक्टूबर तक रद्द हैं।

इस बीच भारत की एअर इंडिया ने कहा कि हम मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष पर बारीकी से निगाह रखे हुए हैं और सुरक्षा जोखिमों का मूल्यांकन जारी है। कंपनी ने कहा है कि चाहे वह मिडिल ईस्ट हो या फिर रूट नेटवर्क के अन्य हिस्से सुरक्षा के लिए जरूरी एडजस्टमेंट किए जाएंगे।

विदेशों में साइबर गुलाम बने 30 हजार भारतीय, सबसे ज्यादा पंजाब के लोग

नई दिल्ली। अलग अलग देशों में टूरिस्ट वीजा पर गए करीब 30 हजार भारतीय वापस नहीं लौटे हैं। इसमें सबसे ज्यादा लोग पंजाब-3,667, महाराष्ट्र-3,233, तमिलनाडु राज्य-3,124 से हैं। अन्य राज्यों से जाने वाले लोगों की संख्या काफी कम है। कंबोडिया, थाइलैंड, म्यांमार और वियतनाम में विजिटर वीजा पर जाने वाले भारतीयों को लेकर आशंका है कि इन्हें साइबर गुलाम बना लिया गया है और साइबर क्राइम कराया जा रहा है। गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली आप्रवासन ब्यूरो ने एक डेटा तैयार किया और उसमें इसकी जानकारी मिली है कि कंबोडिया, थाइलैंड, म्यांमार और वियतनाम में विजिटर वीजा पर जनवरी 2022 से मई 2024 के बीच 73,138 यात्री भारत से यात्रा पर गए थे। इसमें से 29,466 भारतीय अभी तक वापस लौटे नहीं हैं। इसमें 20-39 आयु वर्ग के लोगों की संख्या करीब आधी यानी 17,115 है। ये जानकारी रिपोर्ट से मिली। इसमें 90 परसेंट लोग पुरुष हैं रिपोर्ट्स के मुताबिक, आशंका जताई जा रही है कि इन लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है और भारत में रह रहे लोगों के साथ साइबर ठगी करने का दबाव बनाया जा रहा है। इन लोगों को नौकरी का लालच देकर साइबर गुलाम बनाया है। सूत्रों का हवाला देते हुए बताया है कि केंद्र सरकार की एक उच्च स्तरीय समिति ने अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों सत्यापन करने और इन लोगों की डिटेल्स लेने का निर्देश दिया है। बताते चलें कि हाल ही भारत में साइबर ठग के कई केस सामने आए हैं, जहां लोगों को अलग-अलग झांसे देकर लूटा जा रहा है। साइबर गुलामी के तहत काम करने वाले लोगों पर दबाव बनाया जाता है। इसमें इंटरनेट पर मौजूद प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को टारगेट किया जाता है। भारतीय होने की वजह से कई लोग हिंदी और स्थानीय भाषा बोल सकते हैं। इस तरह के झांसे में कई लोग फंस जाते हैं, उसके बाद वे अपने लाखों रुपये गंवा देते हैं।

मोदी-शाह की सोच में रोजगार देना नहीं, केवल भाषण देना है: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच बयानबाजी का अब एक नया दौर शुरू हो गया है, जिसमें दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर तीखे बाण चलाए हैं। यह विवाद उस समय बढ़ गया जब खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में एक चुनावी सभा के में कहा था कि वह तब तक जिंदा रहेंगे जब तक पीएम मोदी को सत्ता से नहीं हटाया देंगे।

अब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने फिर से केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी-शाह की सोच में रोजगार देना नहीं, बल्कि केवल भाषण देना, फोटो खिंचवाना और फीता काटना शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि जम्मू में सरकारी विभागों में 65 फीसदी पद खाली हैं और स्थानीय लोगों को नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। यह बढ़ते आरोप-प्रत्यारोप आने वाले समय में राजनीतिक माहौल को और गरमा देंगे, जिससे यह स्पष्ट है कि दोनों दल अपने-अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में आयोजित सभा में मोदी की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा था पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर आकर युवाओं के भविष्य के लिए झूठे आंसू बहा रहे हैं। असलियत ये है कि पिछले दस सालों में पूरे देश के युवाओं को अंधकार में धकेल दिया गया है। उन्होंने बेरोजगारी के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि वह पिछले 45 सालों में सबसे ज्यादा है और इसके लिए मोदी जिम्मेदार हैं।

इस बयान पर अमित शाह ने खड़गे के बयान को घटिया और शर्मनाक बताया था। शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था- खड़गे ने अपने भाषण में न केवल पीएम मोदी को घसीटा, बल्कि कांग्रेस के नेताओं और अपनी पार्टी के खिलाफ भी शर्मनाक बातें कहीं। शाह ने कहा कि इससे पता चलता है कि कांग्रेस के नेताओं में मोदी के प्रति कितना डर और नफरत है। शाह ने आगे कहा कि जहां तक खड़गे के स्वास्थ्य की बात है, पीएम मोदी उनके दीर्घायु और स्वस्थ रहने की प्रार्थना करते हैं। हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वह 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होते देखें।

पान और गुटखा खाकर रोड पर थूकने वालों की अखबार में छापनी चाहिए फोटो, स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने दिया आइडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पान मसाला, गुटखा खाने और सड़क पर थूकने वालों से निपटने के लिए एक अनोखा आईडिया दिया। गडकरी ने कहा कि पान, मसाला और गुटखा खाकर सड़क पर थूकने वालों की फोटो खींचकर अखबार में छपवाई जाए। गडकरी गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत को लेकर नागपुर नगर निगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसके अलावा, गडकरी ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोग बहुत होशियार हैं, चॉकलेट खाते हैं और उसके रैपर सड़कों पर फेंक देते हैं और वही व्यक्ति जब विदेश जाता है तो चॉकलेट का रैपर अपनी जेब में रखता है, विदेश में अच्छा व्यवहार करता है और यहां सड़क पर फेंक देता है।

गडकरी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि वह आजकल जब भी चॉकलेट खाते हैं तो घर पहुंचने के बाद चॉकलेट का रैपर फेंक देते हैं. पहले उसे शराब पीने के बाद उसका रैपर बाहर फेंकने की भी आदत थी। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गांधी जयंती को स्वच्छ भारत के प्रतीक दिवस के रूप में समर्पित किया है। हर साल, सरकार और अन्य राज्य संस्थान इसके आसपास स्वच्छता अभियान (स्वच्छता अभियान) या कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पीएम मोदी आज पंढारा पार्क के एक स्कूल पहुंचे और झाड़ू लगाकर इलाके में सफाई की। देशभर में ऐसे कई आयोजन किये गये. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी संसद परिसर में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

10 प्र. सीटें आवंटित की जाएंगी, फडणवीस के वोट जिहाद वाले बयान के बाद अजित पवार ने मुस्लिमों को दिया आश्वासन

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले एनसीपी-एपी प्रमुख अजीत पवार ने महायुति सीट बंटवारे के बाद अल्पसंख्यकों को 10 प्रतिशत टिकट देने की घोषणा की। महाराष्ट्र के बीड में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए पवार ने यह घोषणा की। अपने संबोधन के दौरान पवार ने कहा कि इस बार होने वाले चुनाव के संबंध में मैं अपने अल्पसंख्यक समुदाय को बताना चाहता हूं कि महायुति के सीट बंटवारे में एनसीपी को जो भी सीटें मिलेंगी, उनमें से 10 फीसदी मैं अल्पसंख्यक समुदाय को दूंगा। अपना बयान देते हुए उन्होंने बीजेपी विधायक नीतीश राणे पर निशाना साधते हुए कहा कि मैंने यह फैसला लिया है। मैं सभी जातियों और धर्मों को मानने वाले शिव-शाहू फुले का समर्थक हूं। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को दावा करते हुए कहा कि हालिया लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 14 में वोट जिहाद देखा गया। पवार ने नाम लिए बिना कहा कि कुछ 'बेतगाम बयानवीर' अलग धर्म, संप्रदाय और समुदाय के खिलाफ बयान देते हैं अलग, यह सही नहीं है। उनका बयान ऐसे समय आया है जब उनके साथी उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडनवीस ने यह सुनिश्चित किया कि महायुति वोट जिहाद के कारण 48 में से 14 सीटें हार गई। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, महायुति में गठबंधन रहयोगी सीट बंटवारे पर बातचीत कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस में अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की. गौरतलब है कि 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए नवंबर में चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने हाल ही में कई हितधारकों से मुलाकात की और बाद में घोषणा की कि विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है और चुनाव उससे पहले पूरा करना होगा।

प्रशांत किशोर ने की जन सुराज पार्टी लॉन्च, कार्यक्रम में पहुंचे दिग्गज

*** मनोज भारती को बनाया कार्यकारी अध्यक्ष**

पटना (एजेंसी)। राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनावी रणनीतिकार का काम करते-करते खुद राजनीतिक मैदान में उतरने वाले प्रशांत किशोर ने पटना में बुधवार को एक कार्यक्रम में अपनी नई पार्टी को लॉन्च किया है। उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी का नाम जन सुराज रखा है और इसके कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती को बनाया है। अब इससे बिहार के राजनीतिक गलियारे में क्या बदलाव आता है, यह देखने वाली बात होगी।

पार्टी लॉन्च कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने राजनीतिक भविष्य से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने पटना के वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में बुधवार को जमा हुए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत दिन से जन सुराज अभियान चलाया जा रहा है। पिछले करीब दो-ढाई सालों से यह चल रहा है। ऐसे में सभी लोग पूछ रहे कि हम पार्टी कब बनाएंगे। इसलिए आज आप सभी यहां पार्टी बनाने के लिए जुटे हैं। भगवान को धन्यवाद देना चाहिए, कि आज चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर जन सुराज को जन सुराज पार्टी के तौर से स्वीकार कर लिया है। इसी दौरान पूरे जोश के साथ पीके ने मौजूद जनता से सवाल किया- नाम ठीक है? यदि आप सभी मना करते हैं तो चुनाव आयोग के पास फिर से आवेदन दिया जाएगा. आप बताएं जन सुराज पार्टी नाम ठीक है? सभी ने अपूर्व कर दिया। इसी के साथ पीके का दावा, था कि मैदान में 5 हजार से ज्यादा नेता आए हुए हैं। इस पार्टी लॉचिंग कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव, राजनयिक से नेता बने पवन वर्मा और पूर्व सांसद मोनाजिर हसन समेत अनेक मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर मनोज भारती का नाम आगे बढ़ाया गया है, जो पदभार ग्रहण करने के साथ ही पार्टी के कार्यों को आगे बढ़ाने का काम शुरू करेंगे।

चुनाव से पहले राम रहीम को पैरोल... बाहर आते ही डेरे का सियासी खेल शुरू

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव के बीच डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम बुधवार सुबह 6 बजे जेल से रिहा हो गया। राम रहीम को 3 शर्तों के साथ 20 दिन की पैरोल मिली है। जिसमें राजनैतिक कार्यक्रम न करना भी शामिल है।

हालांकि राम रहीम के बाहर आते ही डेरे का सियासी खेल शुरू हो गया है। राम रहीम की पैरोल की खुशी में डेरे ने हरियाणा के हर ब्लॉक में नाम चर्चा रखी गई है। जो बुधवार और गुरुवार तक चलेगी। 5 अक्टूबर को प्रदेश में वोटिंग होगी है। माना जा रहा है कि नाम चर्चा के दौरान ही डेरे की तरफ से राम रहीम का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जाएगा कि उन्हें अंदरखाने किसे सपोर्ट करना है।

यह बात अलग है कि डेरा हमेशा चुनाव में किसी एक पार्टी को सपोर्ट करने से इंकार करता है, लेकिन पैरोल के समय को देखकर विरोधी इस लेकर सवाल उठाते रहते हैं। अगर डेरे के वोटर एकतरफा हुआ तब उन सीटों पर इसका असर पड़ सकता है, जहां 2 उम्मीदवारों और खासकर भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है।

चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि हरियाणा सरकार से कहा गया है कि अगर राम रहीम आचार संहिता या शर्तों का उल्लंघन करता है, तब पैरोल तुरंत कैंसिल होगी। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। इसी वजह से राम रहीम की पैरोल को चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। हरियाणा की 36 सीटों डेरे से जुड़े श्रद्धालुओं का वोट बैंक है। यौन शोषण और मर्डर केस में राम रहीम रोहतक जेल में सजा काट रहा है। पैरोल के दौरान राम रहीम उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित बरनावा आश्रम में रहेगा।

राजस्थान और मध्य प्रदेश को खून से रंगने की धमकी... दोनों राज्यों की पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के महाकाल मंदिर सहित कुछ रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। राजस्थान में हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन सुपरिंटेंडेंट को धमकी भरा पत्र मिला है। पत्र में मध्यप्रदेश-राजस्थान के रेलवे स्टेशन, महाकाल मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में विस्फोट करने की बात लिखी है। धमकी देने वाले ने खुद को जैश-ए-मोहम्मद का जम्मू-कश्मीर एरिया कमांडर मोहम्मद सलीम अंसारी बताया है। धमकी के बाद उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मीडिया के जरिए सूचना मिली है। हम सतर्कता बरत रहे हैं। राजस्थान पुलिस से संपर्क कर कार्रवाई होगी। महाकाल मंदिर के आसपास पुलिस ने डॉग स्क्वॉड के साथ सर्चिंग शुरू की है।

राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन सुपरिंटेंडेंट नागेंद्र सिंह को पीले रंग का लिफाफा मिला। पत्र डिप्टी सुपरिंटेंडेंट जगत नारायण के नाम से था। सिंह ने बताया कि पत्र में राजस्थान और मध्य प्रदेश को खून से रंगने की बात लिखी थी। पत्र जीआरपी को सौंप दिया है। इसमें जम्मू-कश्मीर में जिहादियों की हत्या का बदला लेने के लिए स्टेशनों और उज्जैन महाकाल को बम से उड़ाने की धमकी लिखी है।

लेटर में लिखा है

हे खुदा मुझे माफ कर, जम्मू-कश्मीर में मारे जा रहे हमारे जिहादियों की मौत का बदला जरूर लिया जाएगा। हम ठीक 30 अक्टूबर को जयपुर, जोधपुर, अलवर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, बूंदी, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर मंडल, मध्य प्रदेश के भी रेलवे स्टेशन, 2 नवंबर को उज्जैन महाकाल मंदिर, जयपुर के कई धार्मिक स्थानों, रेलवे स्टेशन और सैन्य अड्डों को बम से उड़ा दिया जाएगा। राजस्थान और मध्य प्रदेश को खून से रंग दिया जाएगा। जैश-ए-मोहम्मद, खुदा हाफिज।

3500 सीढ़ियां नंगे पैर चढ़े तिरुपति मंदिर पहुंचे डिप्टी सीएम पवन कल्याण

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में डिप्टी सीएम पवन कल्याण की 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा जारी है। इस बीच पवन ने प्रायश्चित के तहत 1 अक्टूबर से तीन दिनों के लिए तिरुपति मंदिर यात्रा पर हैं। वे 3 अक्टूबर तक चप्पल या जूता नहीं पहनने वाले है। उन्होंने 1 अक्टूबर की देर रात तिरुमाला पहुंचने के बाद तिरूपति के अलीपिरी के रास्ते करीब 3500 सीढ़ियां नंगे पैर चढ़ी। फिर गायत्री निलयम गेस्ट हाउस में रात गुजारी। पवन बुधवार को श्रीवारा में तपस्या की दीक्षा लेने वाले है। वह 3 अक्टूबर को दीक्षा खत्म होने के बाद वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करने वाले है। बुधवार को पवन कल्याण की दोनों बेटियां भी तिरुपति पहुंची। छोटी बेटी पोलिना अंजनी कोनिडेला ने मंदिर जाने से पहले भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अपनी श्रद्धा की घोषणा पत्र पर साइन किए। मंदिर के नियमों के अनुसार, गैर-हिंदुओं और विदेशियों को मंदिर में जाने से पहले देवता में विश्वास की घोषणा पर साइन करना होता है। पोलीना पवन कल्याण और उनकी तीसरी पत्नी अन्ना लेजनेवा की बेटी हैं। पोलीना और उनके अपने भाई मार्क प्रवासी भारतीय हैं। पवन कल्याण की पहली पत्नी रेनू देसाई से हुई बेटी आद्या भी पोलीना के साथ मंदिर गई।